CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-340
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, मंगलवार 12 मार्च 2024

आज का विचार
दूसरों की सोच से अधिक कर दिखाना ही आपकी असली सफलता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

पेज-04

इंदौर सहित पांचों सीटों पर भाजपा उलझी
नहीं बन पा रही सहमति... प्रदेश के नेताओं ने भी चुप्पी साधी

इंदौर। इंदौर सहित प्रदेश की पांच लोकसभा सीटों को लेकर भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में चर्चा हुई, लेकिन कहा जा रहा है एक या दो सीटों पर सहमति नहीं बनने और नाम ज्यादा होने के कारण घोषणा नहीं हो सकी। इस मामले में प्रदेश के भाजपा नेताओं ने चुप्पी साध रखी है। कहा जा रहा है कि एक-दो दिन में सूची जारी हो सकती है। भाजपा की पहली सूची आए 10 दिन से अधिक का समय हो गया है। पहली सूची में भाजपा ने जिस तरह से 195 नामों की घोषणा कर दी थी, उससे लग रहा था कि वह दूसरी सूची भी जल्दी जारी कर देगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इस चक्कर में कांग्रेस की सूची भी अटकी हुई है। इंदौर सहित धार, बालाघाट, छिंदवाड़ा और उज्जैन की लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा होना बाकी है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इनमें से तीन सीटों पर नाम लगभग तय हो गए हैं और अब केवल दो सीटों पर सहमति होना बाकी है। इनमें इंदौर भी शामिल है। जिस तरह से इंदौर से महिला प्रत्याशी या केंद्रीय मंत्री का नाम सामने आया है, उस पर कुछ वरिष्ठ नेता सहमत नहीं हैं और इंदौर से भेजे गए नामों के पैनल पर विचार किया जा रहा है। वैसे इस मामले में अंतिम निर्णय लेने का अधिकार आलाकमान के पास है। इस मामले में प्रदेश के नेताओं ने भी चुप्पी साध रखी है। इंदौर के नेता भी इस मामले में कुछ कह नहीं पा रहे हैं। वहीं वर्तमान सांसद शंकर लालवानी अभी भी उम्मीद से हैं और लगातार दिल्ली के नेताओं से संपर्क में हैं। वहीं एक महिला दावेदार ने भी अपनी दौड़-भाग तेज कर दी है।

चार राज्यों में NIA की छापेमारी
बड़वानी और खंडवा में अवैध हथियारों को लेकर कार्रवाई

भोपाल। नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी ने मंगलवार सुबह चार राज्यों में छापेमारी की। अवैध हथियारों को लेकर की जा रही कार्रवाई में मध्य प्रदेश के बड़वानी और खंडवा में भी एनआईए कार्रवाई कर रही है। जानकारी के अनुसार बड़वानी बेल्ट अवैध हथियारों का गढ़ माना जाता है। यहां से खालिस्तानी गैंगस्टर्स को हथियारों की सप्लाई होने की जानकारी एजेंसी को मिली है। एनआईएए की खालिस्तानी गैंगस्टर गठजोड़ मामले में छापे मारे है। इसमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश में अलग-अलग 30 ठिकानों पर एनआईए की सर्चिंग होने की बात सामने आ रही है।

वंदे भारत को हरी झंडी दिखाकर बोले पीएम मोदी
'भारतीय रेल आधुनिकता की रफ्तार पर बढ़ती रहेगी आगे'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद में 85,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। साथ ही 10 वंदे भारतट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय रेल आधुनिकता की रफ्तार पर ऐसे ही आगे बढ़ती रहेगी और ये मोदी की गारंटी है।

देश के कोने-कोने में परियोजनाओं का लोकार्पण हो रहा- उन्होंने कहा, 'विकसित भारत के लिए हो रहे नव निर्माण का लगातार विस्तार हो रहा है। देश के कोने-कोने में परियोजनाओं का लोकार्पण हो रहा है, नई योजनाएं शुरू हो रही हैं। अगर मैं साल 2024 की ही बात करूं, तो इन करीब 75 दिन में 11 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हो चुका है। अकेले पिछले 10-12 दिन में ही 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास हुआ है।' पीएम मोदी ने कहा कि आज भी विकसित भारत की दिशा में देश ने एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। इस कार्यक्रम में आज यहां एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास हुआ है। इनमें से 85 हजार करोड़ रुपये से अधिक के रेलवे प्रोजेक्ट्स आज देश को मिले हैं।

भारत एक युवा देश- उन्होंने कहा, 'भारत एक युवा देश है, यहां बहुत बड़ी संख्या में युवा यहां रहते हैं। मैं खासतौर से मेरे युवा साथियों से कहना चाहता हूं कि आज जो लोकार्पण हुआ है वो आपके वर्तमान के लिए है, और आज जो शिलान्यास हुआ है वो आपके उज्ज्वल भविष्य की गारंटी लेकर आया है।' उन्होंने आगे कहा, '2014 से पहले देश में नॉर्थ ईस्ट के 6 राज्य ऐसे थे जहां की राजधानी हमारे देश के रेलवे से नहीं जुड़ी थी। 2014 में देश में 10 हजार से ज्यादा मानव-रहित रेलवे फाटक थे, वहां लगातार एक्सीडेंट होते थे। 2014 में सिर्फ 35त्न रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ था। रेल लाइनों का दोहरीकरण पहले की सरकारों की प्राथमिकता में ही नहीं था।'

रेल बजट छह गुना ज्यादा बढ़ाया- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रेलवे का विकास हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। हमने 10 वर्षों में औसत रेल बजट को 2014 से पहले की तुलना में छह गुना ज्यादा बढ़ाया है। उन्होंने कहा, 'मैं आज देश को गारंटी दे रहा हूं कि अगले पांच साल में आप भारतीय रेल का ऐसा कायाकल्प होते देखेंगे, जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी। आज का ये दिन इसी इच्छाशक्ति का जीता-जागता सबूत है। वंदे भारत ट्रेनों का नेटवर्क अब देश के 250 से अधिक जिलों तक पहुंच चुका है। जन भावनाओं का सम्मान करते हुए सरकार वंदे भारत ट्रेनों का रूट भी लगातार बढ़ा रही है।रेलवे का कायाकल्प भी विकसित भारत की गारंटी है।'

रेलवे में अभूतपूर्व गति से नए रिफॉर्म्स हो रहे- उन्होंने कहा कि आज रेलवे में अभूतपूर्व गति से नए रिफॉर्म्स हो रहे हैं। तेज गति से नए रेलवे ट्रैक का निर्माण, 1300 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण, वंदे भारत, नमो भारत, अमृत भारत जैसी नेक्स्ट जेनरेशन ट्रेन, आधुनिक रेलवे इंजन और कोच फैक्ट्रियां, ये सब 21वीं सदी की भारतीय रेल की तस्वीर बदल रही हैं।

करीब 350 आस्था ट्रेनें चली- उन्होंने आगे कहा, 'मुझे खुशी है कि भारतीय रेलवे आज 'विकास भी-विरासत भी' के मंत्र को साकार करते हुए क्षेत्रीय संस्कृति और आस्था से जुड़े पर्यटन को भी बढ़ावा दे रही है। आज देश में रामायण सर्किट, गुरुकृपा सर्किट और जैन यात्रा पर भारत गौरव ट्रेन चल रही हैं। यही नहीं आस्था स्पेशल ट्रेन तो देश के कोने-कोने से श्रीराम भक्तों को अयोध्या ले जा रही है। अब तक करीब 350 आस्था ट्रेनें चली हैं और इनके माध्यम से साढ़े चार लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए हैं। भारतीय रेल आधुनिकता की रफ्तार पर ऐसे ही आगे बढ़ती रहेगी और ये मोदी की गारंटी है।'

भाजपा आज जारी कर सकती है दूसरी सूची
मध्य प्रदेश के पांच नामों पर होना है फैसला

भोपाल। लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा मध्य प्रदेश की अंतिम पांच लोकसभा सीटों पर आज प्रत्याशी घोषित कर सकती है। भाजपा इससे पूर्व पहली सूची में प्रदेश की 29 में से 24 लोकसभा सीटों पर प्रत्याशी उतार चुकी है, वहीं शेष पांच सीटों पर आज उम्मीदवारों के ऐलान की संभावना है।सोमवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की मौजूदगी में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई थी। जिसमें लोकसभा उम्मीदवारों के नामों को लेकर मंथन किया गया। भाजपा की पहली सूची में देशभर की 195 संसदीय सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान किया गया था। मध्य प्रदेश के लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों के नामों को लेकर कांग्रेस की सूची का भी इंतजार है। हालांकि पार्टी उम्मीदवारों की एक सूची जारी कर चुकी है, लेकिन इसमें मध्य प्रदेश के एक भी प्रत्याशी का नाम शामिल नहीं था। वहीं अब अटकलें हैं कि कांग्रेस भी जल्द दूसरी सूची जारी कर सकती है।

कांग्रेस चुनाव समिति की बैठक में बड़ा फैसला
कमलनाथ और दिग्विजय नहीं लड़ेंगे लोकसभा चुनाव

नई दिल्ली। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने सोमवार को लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के लिए उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा करने के लिए एक अहम बैठक की. सीईसी की इस दूसरी बैठक में गुजरात (14), राजस्थान (13), एमपी (16), असम (14) और उत्तराखंड (5) की लगभग 63 सीटों पर चर्चा हुई पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और सीईसी में शामिल कई अन्य नेताओं, संबंधित राज्यों के प्रभारी एवं वरिष्ठ नेताओं ने बैठक में शिरकत की. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इस बैठक में शामिल नहीं हुए.

बैठक में फैसला लिया गया कि मध्य प्रदेश में ना तो कमलनाथ और ना ही दिग्विजय लोकसभा चुनाव लड़ेंगे. मध्य प्रदेश में जिन सीटों को लेकर सहमति बनी है उनमें भिंड से फुलसिंह बरैया, सतना से सिद्धार्थ कुशवाहा, राजगढ़ से प्रियव्रत सिंह (दिग्विजय सिंह ने सुझाया नाम) और खंडवा से अरुण यादव का नाम शामिल है. दमन-दीव से केतन पटेल के नाम पर मुहर लगी है. सूत्रों ने बताया कि पार्टी के चार पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कमलनाथ और दिग्विजय सिंह और हरीश रावत और एक पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट का नाम 2024 के लोकसभा चुनावों की सूची में नहीं है. सूत्रों के मुताबिक ये राजनीतिक दिग्गज खुद चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं थे. इनकी बजाय अन्य कांग्रेस नेताओं के नामों पर विचार किया.

उत्तराखंड की सभी सीटों को लेकर नाम तय

सबसे पहले राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने खुद के बजाय अपने बेटे के लिए जोर लगाया और सीईसी ने जालोर से उनके नाम को मंजूरी दे दी. गहलोत के गृह क्षेत्र जोधपुर सीट पर चर्चा नहीं की गई है. वहीं, कमलनाथ के बेटे और छिंदवाड़ा से मौजूदा सांसद नकुलनाथ फिर से चुनाव लड़ेंगे और उन्हें सीईसी से हरी झंडी मिल गई है. उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत खराब स्वास्थ्य को देखते हुए हरिद्वार से चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं थे और चाहते थे कि उनके बेटे वीरेंद्र रावत को टिकट दिया जाए. उत्तराखंड की पांच सीटों पर सीईसी की सहमति बन गई है.एक और बड़े चेहरे छत्तीसगढ़ के प्रभारी महासचिव सचिन पायलट ने सीईसी को आश्वासन दिया है कि वह खुद चुनाव लड़ने के बजाय राजस्थान की चार लोकसभा सीटों और छत्तीसगढ़ पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे ताकि कुल सीटों की संख्या बढ़ सके. असम की सभी 14 सीटों पर चर्चा हुई लेकिन इस बात का पता नहीं चल पाया कि कांग्रेस अपना गठबंधन बरकरार रख पाएगी या नहीं. इस पर सस्पेंस बना हुआ है कि कांग्रेस के वर्तमान उपनेता और प्रखर वक्ता गौरव गोगोई किस सीट से चुनाव लड़ेंगे, उनका पिछला विधानसभा क्षेत्र कलियाबोर परिसीमन की वजह से बदल गया है और वह अपने दिवंगत पिता तरूण गोगोई के गृह क्षेत्र जोरहाट से टिकट चाह रहे हैं.

मनोहर लाल ही होंगे हरियाणा के मुख्यमंत्री
शाम चार बजे फिर लेंगे सीएम पद की शपथ

चंडीगढ़। हरियाणा में बड़े राजनीतिक घटनाक्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस्तीफा दे दिया है। मनोहर लाल सायं चार बजे दोबारा शपथ लेंगे। शपथग्रहण समारोह का समय बदल गया है। अब राज्य में भाजपा के साथ जननायक जनता पार्टी से गठबंधन नहीं रहेगा।निवर्तमान शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने साफ कर दिया है कि मनोहर लाल ही दोबारा मुख्यमंत्री बनेंगे। मनोहर लाल तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। गठबंधन की सरकार का इस्तीफा सिर्फ जजपा से गठबंधन खत्म करने के लिए

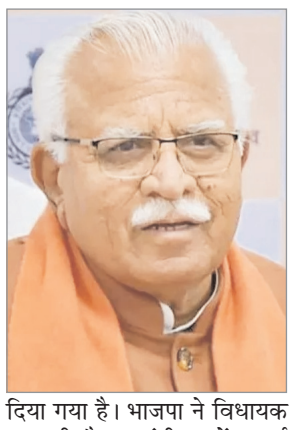

दिया गया है। भाजपा ने विधायक दल की बैठक चंडीगढ़ में बुलाई है। बैठक में मनोहर लाल केंद्रीय पर्यवेक्षकों अर्जुन मुंडा और तरुण चुघ की उपस्थिति में दोबारा भाजपा विधायक दल के नेता चुने जाएंगे। अभी यह देखना है कि मनोहर लाल अकेले शपथ लेंगे या फिर रणजीत सिंह चौटाला सहित दो उपमुख्यमंत्री के रूप में एक और विधायक शपथ लेंगे। दोनों केंद्रीय पर्यवेक्षक हरियाणा स्थित राजनिवास में पहुंच चुके हैं। यही सभी भाजपा विधायक और निर्दलीय विधायक उपस्थित हैं। वहीं, दुष्यंत चौटाला दिल्ली में हैं। उनके साथ चार ही विधायक हैं। उन्होंने रविवार को दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी लेकिन उन्हें गठबंधन बनाए रखने के लिए कोई इशारा नहीं मिला। दुष्यंत राजग गठबंधन के घटक दल के नेता होने के नाते लोकसभा चुनाव में हरियाणा की दो सीटों पर दावा पेश कर रहे थे। भाजपा ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि पार्टी हरियाणा में सभी 10 सीटों पर कमल के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ेंगे। रामकुमार गौतम सहित पांच जजपा विधायक चंडीगढ़ में हैं और भाजपा के संपर्क में हैं। ऐसा माना जा रहा है कि मनोहर लाल के नेतृत्व में भाजपा की नई सरकार में 41 भाजपा, छह निर्दलीय और पांच जजपा विधायकों को समर्थन रहेगा।

दिल्ली में गैंगस्टर काला जठेड़ी की
शादी आज, दुल्हन बनेगी लेडी डॉन मैडम मिंज, पुलिस होगी मेहमान

इंदौर। आज का यह दिन जुर्म के इतिहास में खास तौर पर दर्ज होने जा रहा है। द्वारका सेक्टर 3 स्थित संतोष गार्डन बैंक्वेट हॉल में कुख्यात गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी और अनुराधा चौधरी उर्फ मैडम मिंज की शादी होने जा रही है। इस शादी के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। समारोह स्थल और उस रूट के सभी रास्तों पर पुलिस का पहरा रहेगा। शादी के दौरान किसी तरह का हमला न हो, इसके लिए सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। संदीप की शादी में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल, स्वाट दस्ता, क्राइम ब्रांच, स्थानीय पुलिस, तीसरी बटालियन, हरियाणा पुलिस सीआइए, राजस्थान पुलिस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारी पैनी नजर रखेंगे।आज सुबह 6 बजे से ही बैंक्वेट हॉल के आसपास और सड़कों, गलियों पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। ये जठेड़ी की शादी में शामिल होने वाले उसके स्वजन को वहां से अपने घर पहुंचने तक सुरक्षा देंगे। हॉल के प्रवेश द्वार पर डोरफ्रेम मेटल डिटेक्टर, सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। इतना ही नहीं, ड्रोन की भी व्यवस्था की गई है। सशस्त्र कमांडो भी तैनात किए गए हैं। स्पेशल सेल के एडिशनल पुलिस कमिश्नर प्रमोद सिंह कुशवाहा ने बताया कि गैंगवार की घटना और संदीप के हिरासत से भाग जाने की संभावनाओं को देखते हुए खास रणनीति बनाई गई है।

चीन पर भारत का हमला
'आतंकवाद से निपटने की प्रतिबद्धता में दोहरे दृष्टिकोण की गंध'

न्यूयॉर्क। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सबूत-आधारित आतंकवादी सूची को रोकने के लिए अपनी वीटो शक्तियों का उपयोग करने वाले देशों की कड़ी निंदा की है। कहा कि यह अभ्यास अनावश्यक है और आतंकवाद की चुनौती से निपटने में परिषद की प्रतिबद्धता के प्रति दोहरे दृष्टिकोण की गंध आती है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक सत्र में भाग लिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर स्वीकृत आतंकवादियों के लिए वास्तविक साक्ष्य-आधारित सूची प्रस्तावों को बिना किसी उचित औचित्य के रोकना अनावश्यक है और जब आतंकवाद की चुनौती से निपटने में परिषद की प्रतिबद्धता की बात आती है तो दोहरेपन की बू आती है।

साजिद मीर को वैश्विक आतंकवादी नामित करने के लिए प्रस्ताव उन्होंने कहा कि पिछले साल, भारत और अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 अलकायदा प्रतिबंध समिति को पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी साजिद मीर को वैश्विक आतंकवादी के रूप में नामित करने के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, जिसपर चीन ने तकनीकी रोक लगा दी थी। किसी प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए सभी सदस्य देशों की सहमति की आवश्यकता होती है। बता दें, साजिद मीर 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों में शामिल होने के लिए वांछित है, जिसमें 166 लोग मारे गए थे और 300 से अधिक घायल हो गए थे। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि कंबोज ने तर्क दिया कि सहायक निकायों के अध्यक्षों का चयन और निर्णय लेने की शक्ति एक खुली प्रक्रिया के माध्यम से की जानी चाहिए, जो पारदर्शी होती है। उन्होंने कहा, 'सहायक निकायों के अध्यक्षों का चयन और पेन होल्डरशिप का बंटवारा एक ऐसी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाना चाहिए जो खुली हो, जो पारदर्शी हो और जो परामर्श पर आधारित हो।' इससे पहले कंबोज ने बैठक में मौजूदा व्यवस्था को चेतावनी देते हुए कहा था कि अब सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता है। दुनिया और हमारी आने वाली पीढ़ियां अब और इंतजार नहीं कर सकती हैं। उन्हें और कितना इंतजार करना होगा। कंबोज ने युवा पीढ़ी की आवाज पर ध्यान देने की आवश्यकता को रेखांकित किया था। उन्होंने आग्रह किया था कि अफ्रीका में जारी अन्याय को संबोधित करना आवश्यक है। इसलिए परिषद में सुधार की आवश्यकता है।

वीटो पर भी रखा पक्ष वीटो शक्ति पर चिंता जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि सुधार प्रक्रिया में वीटो बाधा नहीं बन सकती। परिषद में जब तक नए स्थाई सदस्यों को जगह नहीं मिल जाती तब तक वीटो का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। नए स्थायी सदस्यों के पास भी वर्तमान स्थायी सदस्यों के समान ही जिम्मेदारियां और दायित्व हों। हमारा मानना है कि सुधार प्रक्रिया के मुद्दे पर वीटो करने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। जी4 देशों ने भी भारत के पक्ष का समर्थन किया। बता दे, जी4 में भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान शामिल हैं।

सिंगल कॉलम

अधिकारियों पर बरसे एमआइसी सदस्य, कहा अपने हिसाब से ही आवंटन करना है तो सूची यहां क्यों लाते हो

महापौर परिषद की सोमवार को हुई बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना की गड़बड़ियों का मुद्दा छाया रहा। एमआइसी सदस्य अधिकारियों पर जमकर बरसे। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के आवंटितों की सूची प्रस्तुत की गई थी। जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने इसे लेकर कहा कि जब अधिकारियों को अपने हिसाब से ही आवंटन करना है तो सूची परिषद की बैठक में लाने की जरूरत ही क्या है। नियमों का ताक पर रखकर आवंटन किया गया। कंसल्टेंट, ठेकेदार ने फ्लैट आवंटित करवा लिए, पैसा तक नहीं भरा और कोई कुछ नहीं कह रहा है। हम जनता के पहरी हैं, ऐसी गड़बड़ी नहीं होने देंगे। बैठक में सरवटे बस स्टैंड जूनी इंदौर ब्रिज से चंद्रभागा होते हुए, मच्छी बाजार चौराहा तक शेष सड़क विकास कार्य की स्वीकृति भी दी गई। महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में हुई बैठक में निगमायुक्त हर्षिका सिंह, महापौर परिषद सदस्य राजेंद्र राठौर, अभिषेक शर्मा, अश्विनी शुक्ल, निरंजनसिंह चौहान, जीतू यादव, मनीष शर्मा मामा, समस्त अपर आयुक्त, समस्त विभाग प्रमुख व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में भू-जल स्तर बढाने के लिए जल संरक्षण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा कुएं-बावड़ी और तालाबों के संरक्षण के लिए उनकी सफाई कराने, जीर्णोद्धार पर भी चर्चा हुई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के मुद्दे पर एमआइसी सदस्यों ने अधिकारियों को घेरा। एमआइसी सदस्य राठौर ने कहा कि गड़बड़ी सामने आने के बाद ही लोगों ने पैसा जमा कराना शुरू किया है। नियम यह है कि आवंटन के दो माह के भीतर पैसा जमा नहीं हो तो आवंटन निरस्त कर दिया जाए, लेकिन कंसल्टेंट ने फ्लैट का पैसा कुछ दिन पहले ही जमा कराया है। बैठक में अधिकारियों ने भी माना कि मुद्दा उठने के बाद गड़बड़ी पर रोक लगी है। आनलाइन आवंटन होने से लोगों को फायदा हुआ है।

भाजपा का पूरा जोर मतदान बढ़ाने पर, कांग्रेस की तैयारी ही शुरू नहीं हुई

लोकसभा चुनाव का बिगुल बजने से पहले ही भाजपा मैदान पकड़ चुकी है। पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से अनिवार्य रूप से मतदान करने की गुहार लगा रहे हैं। पिछले लोकसभा चुनाव के आंकडे बताते हैं कि जब-जब मतदान का प्रतिशत बढ़ा है, भाजपा फायदे में रही है। यही वजह है कि इस बार भी पार्टी ने शत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य रखा है। पार्टी ने इसकी तैयारी कर भी ली है। मतदान के लिए मतदाताओं को घरों से बाहर निकालने में माहिर भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के कई सत्र हो भी चुके हैं। इधर दूसरी तरफ कांग्रेस खेमे में निराशा है। कांग्रेस के कार्यकर्ता इस बात से भी दुखी है कि जिन नेताओं के लिए वह वर्षों से मेहनत करता रहा वे खुद ही भाजपा का दामन थाम रहे हैं।

भाजपा का पूरा जोर इस बार के लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा मतदान कराने पर है। पार्टी के वरिष्ठ नेता बाबूसिंह रघुवंशी के मुताबिक हमने इसे लेकर तैयारियां बहुत पहले ही शुरू कर दी थीं। पन्ना प्रमुख के पास एक-एक मतदाता की जानकारी होती है। हमारा लक्ष्य शत प्रतिशत मतदान कराने का है। इसे लेकर हम समय समय पर हम प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित कर रहे हैं। इस बार हमने मतदाताओं से सीधे संपर्क की रणनीति भी बनाई है। इसके तहत ही गांव चलो अभियान, लाभार्थी संपर्क अभियान आदि आयोजन हो चुके हैं। जल्द ही कुछ अन्य आयोजन भी होंगे। हमारे नेता मतदाताओं से सीधे संपर्क कर रहे हैं और निश्चित ही इसका फायदा हमें मिलेगा।

इन्दौर के कैट परिसर में तेंदुए की धमक, चार घंटे चली सर्चिंग

इन्फोसिस और टीसीएस के बाद अब आरआर प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र (आरआर कैट) में तेंदुए का मूवमेंट देखा गया है। परिसर में तेंदुए की धमक के बाद रहवासी डरे हुए हैं। परिसर में रहने वालों को अकेले घूमने से मना कर दिया गया है। सूचना मिलते ही वन विभाग ने सर्चिंग शुरू कर दी। कई स्थानों पर तेंदुए की मौजूदगी से जुड़े प्रमाण मिले हैं। दो से तीन स्थानों पर पंजों के निशान और विष्ठा मिली है। अब मंगलवार को दो स्थानों पर पिंजरे लगाए जाएंगे। कैट की सुरक्षा व्यवस्था संभाल रही सीआइएसएफ के जवान ने सोमवार को दो तेंदुओं को देखा। यह खबर आग की तरह कैट क्षेत्र में आने वाली कालोनियों में फैल गई। दहशत में आए लोगों ने वन विभाग को सूचना दी। दोपहर 2 बजे रालामंडल की रेस्क्यू टीम पहुंची। परिसर के अलग-अलग हिस्सों में वनकर्मियों को भेजा गया। उन्हें दो से तीन स्थानों पर पंजों के निशान मिले हैं। सूत्रों के मुताबिक लोगों ने तेंदुए सहित दो शावक होने की बात कही, मगर सर्चिंग के दौरान वनकर्मियों को शावक के पंजों के निशान नहीं मिले हैं। दरअसल, परिसर में झाड़ियां काफी बढ़ी हुई हैं। इससे भी वनकर्मियों को तेंदुए को ढूंढने में दिक्कत हुई। वनकर्मियों के मुताबिक पंजों के निशान के आधार पर तेंदुआ वयस्क है। उसकी उम्र चार से सात वर्ष के बीच बताई जा रही है। फिलहाल परिसर के कुछ हिस्सों में अभी सर्चिंग होना बाकी है, जो मंगलवार सुबह से शुरू की जाएगी। रेस्क्यू टीम के रेंजर योगेश यादव भी पहुंचे थे। मुरालीलाल धाकड़, सोहनलाल दशोरिया, शेरसिंह कटारा ने तीन से चार घंटे सर्चिंग की। रेंजर यादव का कहना है कि मंगलवार को परिसर में पिंजरे लगाएंगे। कैट परिसर में तेंदुए को ढूंढने के लिए वन विभाग रणनीति बनाने में लगा है। मंगलवार को ड्रोन से तेंदुए की सर्चिंग होगी, क्योंकि परिसर में झाड़ियां होने से ढूंढने में काफी परेशानी हो रही है। वैसे वनकर्मियों ने मुनादी करवा दी।

तनाव में है इंदौर का वर्कफोर्स, लघु शोध में सामने आई कड़वी सच्चाई

सिटी चीफ इंदौर

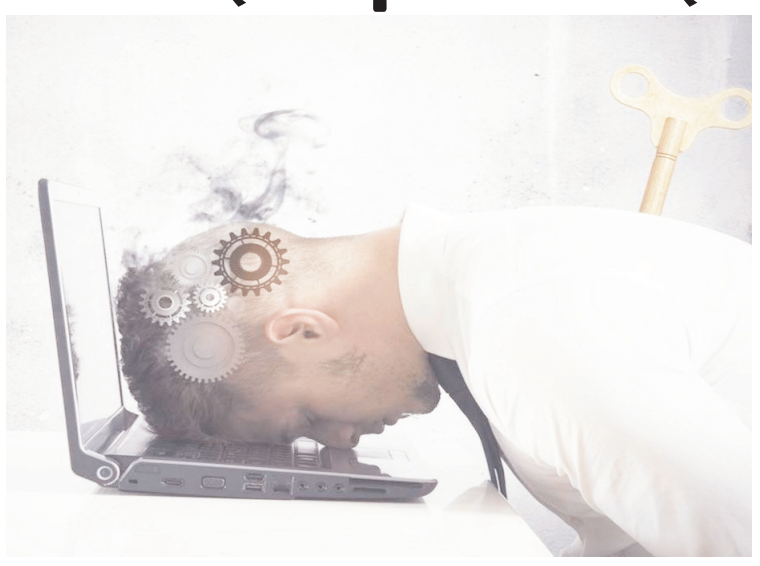

तनाव एक ऐसा जहर है, जो व्यक्ति को बहुत धीमे-धीमे अंदर ही अंदर खत्म करता चला जाता है। इस महत्वपूर्ण विषय पर इंदौर स्कूल आफ सोशल वर्क कालेज की ओर से निजी कंपनियों के कर्मचारियों में होने वाले तनाव पर लघु शोध किया गया है। शोधार्थी प्रदीप सिंह के इस रिसर्च में सामने आया है कि निजी कार्यक्षेत्र में सबसे ज्यादा 92.5 प्रतिशत कर्मचारी तनाव में रहते हैं। ये वे कर्मचारी हैं, जिन्हें कल्याणकारी सुविधाएं नहीं मिलतीं। दूसरे नंबर पर 87.5 प्रतिशत कर्मचारी तनाव प्रबंधन के लिए कोई गतिविधि नहीं होने से तनाव में रहते हैं। इस लघु शोध में साक्षात्कार विधि और अवलोकन विधि में 30 प्रश्नों का समावेश रहा। इन्हीं उत्तरों के विश्लेषण के बाद इंदौर का यह तनाव सामने आया है। लघु शोध में केवल 35 प्रतिशत कर्मचारी ही ऐसे पाए गए, जो कार्यक्षेत्र पर किसी प्रकार का तनाव महसूस नहीं करते। शोध में अधिकतर उत्तरदाता पुरुष रहे। 50 से 60 वर्ष आयु के ऐसे कर्मचारियों पर शोध हुआ, जो बीते 21 से 30 वर्षों से निजी क्षेत्र में कार्यरत हैं। ये हैं तनाव से बचने के उपाय शोध में जो समस्याएं और जिनके उत्तर सामने आए, उनका विश्लेषण किया गया। उन्हीं विश्लेषणों के आधार पर शोधकर्ता ने सुझाव दिए कि ज्यादातर कर्मचारी एकल परिवार से हैं, उन्हें संयुक्त परिवार के साथ रहने का प्रयत्न करना चाहिए। संयुक्त परिवार होने के अद्भुत लाभ हैं। साथ ही कर्मचारियों को व्यक्तिगत तौर पर अन्य कौशल भी सीखने चाहिए। कंपनियों द्वारा भी अपने कर्मियों को कौशल प्रशिक्षण देकर उनकी आय में वृद्धि करनी चाहिए। एक ही कार्य करने से मोनोटोनस होने की आशंका बढ़ सकती है। इससे बचने के लिए कर्मचारी के कार्य में परिवर्तन होते रहने चाहिए। शारीरिक थकावट दूर करने के लिए काम के बीच में आराम का कुछ समय तय किया जाए। उत्तम कार्य करने वाले कर्मचारियों को समय-समय पर रिवार्ड, बोनस, प्रमोशन आदि देना चाहिए। कार्य करने की अवधि कार्य की सीमा के अनुसार पर्याप्त दी जानी चाहिए। तनाव प्रबंधन के लिए कंपनी को कार्यशाला या अन्य गतिविधियां करनी चाहिए।

इंदौर के राजाबाग कालोनी में 11वीं के छात्र की चाकू मारकर हत्या

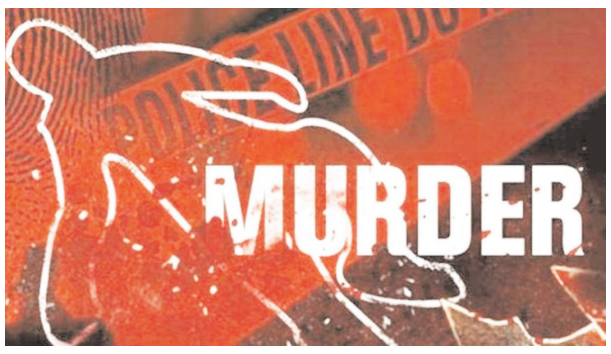

सिटी चीफ इंदौर

बाणगंगा थाना क्षेत्र की राजाबाग कालोनी में सोमवार रात 11वीं के छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। हमले में एक युवक गंभीर घायल हुआ है। पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। टीआइ लोकेशसिंह भदौरिया के मुताबिक, घटना रात करीब साढ़े 11 बजे की है। 18 साल के कोटेश्वर पुत्र बलराम चौरे को स्वजन गंभीर अवस्था में अस्पताल लेकर गए थे। देर रात डाक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। स्वजन ने पुलिस को बताया कि आरोपित महेंद्र योगी, हर्ष योगी, अशोक चौहान, ऋतिक चौहान, अजय पंडित, प्रेमलाल दसोरे और हितेश प्रजापती ने चाकू मारे हैं। कोटेश्वर 11वीं में पढ़ता था। आरोपितों का लोडिंग वाहन घर के बाहर खड़ा हुआ था। कोटेश्वर उस पर चढ़कर मकान में जा रहा था। इसी बात पर झगड़ा हो गया। दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। आरोपित हितेश ने कोटेश्वर के हाथ और सीने में चाकू मारा। हार्ट में चोट लगने से कोटेश्वर की मौत हो गई। उसका रिश्ते का भाई कुलदीप घायल हुआ है। रहवासी प्रवीण के मुताबिक कोटेश्वर को वह सबसे पहले निजी अस्पताल लेकर गया था। डाक्टर ने स्थिति देखते ही कहा कि एमवाय अस्पताल लेकर जाओ। देर रात एमवाय अस्पताल आए तो उसकी मौत हो गई। टीआइ के मुताबिक, आरोपितों को रात में ही गिरफ्तार कर लिया। आरोपित से चाकू भी जब्त कर लिया है।

मालवा-निमाड़ में बगीचे बन गए सघन वन क्षेत्र सोते रहे जिम्मेदार, जनप्रतिनिधि भी गंभीर नहीं

सिटी चीफ इंदौर

कभी प्राकृतिक संपदाओं से समृद्ध रहे मालवा-निमाड़ क्षेत्र के जिले और नर्मदा-ताप्ती नदियों के तट धीरे-धीरे वन विहीन होते जा रहे हैं। जंगलों में अंधाधुंध होने वाली कटाई से सघन वन क्षेत्र बड़े बगीचों में बदल चुके हैं। वन माफिया पेड़ों की कटाई कर रहा है और वन विभाग कागजी खानापूर्ति के लिए समय-समय पर कार्रवाई की रस्म पूरी कर फिर आंख मूंद लेता है वोट और सत्ता के लालच में जनप्रतिनिधि भी प्रकृति के साथ हो रहे इस खिलवाड़ पर चुप्पी साधे हैं। पांच सालों से कटाई से इसमें 30 हजार हेक्टेयर की कमी आई है। अब पर्यावरण विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। उधर, वन विभाग की इको टूरिज्म (ग्रीन इंडिया मिशन) में 125 हेक्टेयर में पांच नगर वन विकसित किए जा रहे हैं। दो माह के बाद सभी जगह पर्यटन शुरू हो जाएगा। सांसद गजेंद्र सिंह पटेल का कहना है कि केंद्र सरकार की योजना से दोबारा वन व वन्य जीव को बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। नई सरकार बनने पर जिले को वन व वन्य जीवों के लिए प्राथमिकता वाली योजनाओं पर ध्यान दिया जाएगा। खंडवा जिले में करीब दो लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र था, लेकिन पांच साल में तेजी से हुई वन कटाई और अतिक्रमण ने 40 हजार हेक्टेयर से ज्यादा के जंगल को नष्ट कर दिया है। इसमें से ज्यादातर भूमि अब भी अतिक्रमणकारियों के कब्जे में है। दो साल पहले तत्कालीन डीएफओ ने जंगल से गोंद संग्रहण पर लगे प्रतिबंध को हटा कर थोक के भाव लाइसेंस जारी कर दिए थे। इससे गोंद देने वाले हजारों पेड़ केमिकल वाले इंजेक्शन लगाने से नष्ट हुए हैं। वर्तमान डीएफओ विजय सिंह ने कुछ दिन पहले ही लाइसेंस निरस्त कर गोंद संग्रहण पर एक साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है।

तेजी से घटा वन क्षेत्र

धार जिले में 11 हजार 995 हेक्टेयर में वन क्षेत्र है। यह जिले के कुल भूभाग का 15त्न है। कभी जिले में वन का घनत्व करीब 34त्न हुआ करता था। वन विभाग नियमित रूप से पौधरोपण कार्यक्रम चलाया जाता है। सघन वन क्षेत्र में भी कमी झाबुआ जिले में सघन वन क्षेत्र भी कम होता जा रहा है। देवझिरी, कोटड़ा, नवागांव, कालापीपल क्षेत्र में ही वन विभाग द्वारा नया जंगल तैयार किया गया है लेकिन आए दिन पेड़ कट रहे हैं।

इंदौर में बढ़ने लगे गर्मी के तेवर, रात का तापमान 17 डिग्री सेल्सियस पार

सिटी चीफ इंदौर

हवाओं का रूख बदलने से मौसम अचानक बदल गया है। मंगलवार को पूर्वी-पश्चिम दिशा से हवा चली। पिछले दो-तीन दिनों में मौसम में बदलाव हुआ है। मंगलवार सुबह से सूरज के तीखे तेवर दिखे। पारा चढ़ने से गर्मी महसूस होने लगी है।दिन के साथ ही अब रात में भी तापमान बढ़ने लगा है। बीते 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 0.8 डिग्री सेल्सियस का अंतर दिखा। अधिकतम तापमान 34.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 17.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य था। जबकि एक दिन पहले रात का तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के मुताबिक दिन में आसमान साफ रहेगा। अगले कुछ दिन तापमान में दो से तीन डिग्री का अंतर रहेगा। सुबह के समय गुलाबी ठंड महसूस होगी।

आज का मौसम

शहर में सोमवार को निकली धूप ने गर्मी का अहसास करवाया और दिन व रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक मंगलवार को शहर में उत्तर पश्चिमी हवा चलेगी। दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी होगी, वहीं रात का पारे में भी एक डिग्री की बढ़ोतरी रहेगी।

इंदौर जिले के 2400 क्षेत्रों में बढ़ेगी संपत्तियों की गाइडलाइन, एक अप्रैल से होगी लागू

इंदौर जिले में अचल संपत्तियों की शासकीय गाइडलाइन के प्रस्ताव को केंद्रीय मूल्यांकन समिति ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। जिले के 2400 क्षेत्रों में संपत्तियों की दरों में पांच से 118 प्रतिशत तक बढ़ोतरी होगी। वृद्धि की नई दरें एक अप्रैल से लागू होंगी। जिले में गाइडलाइन बढ़ोतरी का औसत 10 प्रतिशत है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में लागू होने वाली अचल संपत्तियों की खरीदी-बिक्री की शासकीय गाइडलाइन दरों को केंद्रीय मूल्यांकन समिति ने स्वीकृत कर लिया है। दो दिन में इसका पत्र जारी हो जाएगा। जिले के 4995 क्षेत्रों में से 47 प्रतिशत क्षेत्रों में 10 प्रतिशत औसत वृद्धि प्रस्तावित की गई है। बायपास, सुपर कारिडोर और निपानिया क्षेत्र में आने वाली कालोनियों में गाइडलाइन में सर्वाधिक वृद्धि होगी। वरिष्ठ जिला पंजीयक डा. अमरेश नायडू ने बताया कि केंद्रीय मूल्यांकन समिति ने इंदौर जिले के गाइडलाइन बढ़ोतरी के प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया है। इसका पत्र भी जल्द ही जारी हो जाएगा। इसके बाद गाइडलाइन के उपबंध की स्थिति भी स्पष्ट होगी। तीन साल के डेटा से तैयार हुआ प्रस्ताव वरिष्ठ पंजीयक दीपक शर्मा का कहना है कि जिले की गाइडलाइन का प्रस्ताव विगत तीन साल के खरीदी-बिक्री के डेटा का आकलन कर तैयार किया गया है।

क्रिप्टो करंसी की जालसाजी में आरोपित का बेटा-बेटी भी शामिल, कर रहा था चुनाव लड़ने की तैयारी

सिटी चीफ इंदौर

करोड़ों की धोखाधड़ी में गिरफ्तार मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. निरंजन प्रधान को अपराध शाखा ने रिमांड पर लिया है। आरोपित ने देशभर के सैकड़ों लोगों को ठगना स्वीकार किया। ठगी में पत्नी, बेटी और बेटे की भूमिका भी मिली है। ठगी से एकत्र राशि से लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा था।उसकी पत्नी एक राजनीतिक दल से जुड़ी है।डीसीपी (अपराध) निमिष अग्रवाल के मुताबिक समर्थ पार्क कालोनी उमरिया (महू) निवासी डॉ. निरंजन प्रधान को कोटा से गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ सातवाड़ा हुगली, बंगाल निवासी लक्ष्मी शर्मा ने शिकायत दर्ज करवाई थी। निरंजन सेना से सेवानिवृत्त हुआ है। इसके बाद उसने आरएफ-3 के नाम से कंपनी बनाई और लोगों से क्रिप्टो करंसी में निवेश करवा करवाने लगा। निरंजन ने खुद को सीईओ, पत्नी रीता को डायरेक्टर, बेटे कुलदीप प्रधान को और बेटी प्रज्ञा प्रधान को कंपनी का पदाधिकारी बताया। उसने बताया कि आरएफ-3 की तरफ से सीएसटी के नाम से करंसी आने वाली है। प्री बुकिंग पर सस्ते दामों पर क्रिप्टो बेचना बताया। बड़े रिसोर्ट में सेमिनार आयोजित किया और क्रिप्टो में निवेश करने की स्कीम बताई। रातोंरात लखपति बनने की चाह में लोगों ने करोड़ों रुपये निवेश कर दिए। आरोपित ने साफ्टवेयर से ऐसा इंडेक्स तैयार किया जिसमें निवेशक को अपना वालेट दिखाई देता था। इसमें निवेश की राशि और मुनाफा भी स्पष्ट नजर आता था। वालेट इंजीनियर से फर्जी तरीके से तैयार करवाया गया था। डीसीपी के मुताबिक आरोपित के बैंक खातों को फ्रीज करवा कर लेनदेन पर रोक लगा दी गई है। अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है। पुलिस को निरंजन के मोबाइल में बड़े नेताओं के फोटो मिले हैं। उसने दावा किया कि लोकसभा का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने पकड़ा, तब वह टिकट की चाह में दिल्ली गया था।

आठ महीने पिछड़ी बीए बीएड सेकंड सेमेस्टर की परीक्षा

6 अप्रैल से शुरू होंगे पेपर

सिटी चीफ इंदौर

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था गड़बड़ा गई है। बीएड-बीएबीएड सेमेस्टर की परीक्षा तीन से छह महीने पिछड़ गए है। जनवरी में होने वाली बीएड फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा अगले सप्ताह से रखी है। जबकि बीएबीएड की परीक्षा आठ महीने देरी से अप्रैल में करवाई जाएगी। इनके बारे में चार दिन पहले ही विश्वविद्यालय प्रशासन ने टाइम टेबल को वेबसाइट पर अपलोड किया है। परीक्षा प्रभावित होने से विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम पर असर पड़ा है, क्योंकि दो साल वाले इस कोर्स को पूरा होने में एक वर्ष का अतिरिक्त समय लग सकता है। परीक्षा में 55 कालेजों के 6 हजार छात्र-छात्राएं बैठेंगे। 8 मार्च को विश्वविद्यालय ने 2023-24 सत्र वाले बीएड फर्स्ट और 2022-23 सत्र बीएबीएड सेंकड सेमेस्टर की परीक्षा शेड्यूल को वेबसाइट पर जारी किया था। बीएड फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा 19 से 23 मार्च तक चलेगी। दोपहर 3 से शाम 6 बजे वाले सत्र में पेपर होंगे। परीक्षा में शामिल विद्यार्थी अपने एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते है। इसके लिए 30 परीक्षा केंद्र बनाए है, जिसमें छह हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। वैसे ही बीएबीएड सेकंड सेमेस्टर की 6 अप्रैल से परीक्षा शुरू होगी, जो 24 अप्रैल तक चलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक, बीएबीएड बीएबीएड पहले सेमेस्टर का रिजल्ट में देरी होने की वजह से सेकंड सेमेस्टर की परीक्षा प्रभावित हुई है। अधिकारियों के मुताबिक बीएबीएड की परीक्षा सुबह 11 से दोपहर 2 बजे के बीच होगी। डेढ़ हजार विद्यार्थी परीक्षा में बैठेंगे। परीक्षा नियंत्रक डा. अशेष तिवारी का कहना है कि दोनों परीक्षाओं का रिजल्ट जून तक घोषित किया जाएगा। वे बताते है कि अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव होने से मूल्यांकन में थोड़ा समय लगेंगा, क्योंकि अधिकांश शिक्षकों की निर्वाचन कार्यों में ड्यूटी लग चुकी है।

एक मोटरसाइकिल चुराई थी, बरामद हुई 20, तीन चोर गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।
अयोध्यानगर थाना पुलिस ने तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 20 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की हैं। जिनकी कीमत लगभग 16 लाख रुपये बताई है।चोरोंने मोटरसाइकिल चोरी कर गांव में कम दाम में बेचने और गिरवी रखने की योजना बनाई थी।पुलिस के मुताबिक पांच मार्च को विकास नगर से यशवंत मेहरा की मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी।उसकी शिकायत पर पुलिस ने वाहन चोरी का प्रकरण दर्ज

कर तलाश शुरू कर दी थी। इसी बीच नौ मार्च को मुखबिर ने बताया कि तीन युवक थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल बेचने की बात कर रहे हैं। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची टीम ने तीनों को धर दबोचा और पूछताछ की तो उन्होंने अपनी पहचान दिव्यांश राजपूत, विमलेश बाथम और अंकित राजपूत के रूप में बताई है। तीनो आरोपितों ने वाहन चोरी करना स्वीकार किया है। साथ ही चोरों की निशानदेही पर 11 अयोध्या नगर की, चार गोविंदपुरा और पांच पिपलानी थाना क्षेत्र की मोटरसाइकिल चोरी का खुलासा करते हुए वाहनों को बरामद किया गया है।

मध्य प्रदेश में थाना स्तर से सांप पकड़ने की होगी व्यवस्था

होमगार्ड के जवानों को दी जाएगी ट्रेनिंग

सिटी चीफ भोपाल।
अब संभाग स्तर पर भी वन्य प्राणी रेस्क्यू सेंटर खोले जाएंगे। इनमें रेस्क्यू करके लाए जाने वाले वन्यप्राणियों को रखने की व्यवस्था भी होगी। वहीं, प्रत्येक थाना स्तर पर सांप पकड़ने और उनके संरक्षण की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए होमगार्ड के जवानों को सांप पकड़ने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने इस संबंध में निर्देश दिए कि सर्पदंश से लोगों को बचाने के लिए प्रत्येक थाना स्तर पर सांप पकड़ने वालों के संबंध में सबको जानकारी हो तथा पकड़े गए सांपों का संरक्षण भी व्यवस्थित तरीके से किया जाए। मुख्यमंत्री सोमवार को मध्य प्रदेश राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की 25वीं बैठक को मंत्रालय में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनसामान्य को वन्य जीवों के आचार-व्यवहार से परिचित कराने तथा वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रावधानों के बारे में जागरूकता पर केंद्रित अभियान चलाना आवश्यक है। घड़ियाल अभयारण्य के संबंध में जनसामान्य में रूचि उत्पन्न करने के लिए भी गतिविधियां संचालित की जाएं। निजी इकाइयों तथा व्यक्तिगत स्तर पर जनसामान्य द्वारा वन्यजीवों के संरक्षण के संबंध में

व्यवस्था विकसित करने पर भी विचार-विमर्श होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में चीता पुनर्वास परियोजना के अंतर्गत चीतों की संख्या बढ़ने पर बधाई दी। बैठक में वन मंत्री नागर सिंह चौहान, मुख्य सचिव वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव वन जेएन कंसोटिया सहित वन विभाग के प्रमुख अधिकारी, राज्य वन्यप्राणी बोर्ड के सदस्य उपस्थित थे। बैठक में नरसिंहगढ़ अभयारण्य, पन्ना टाइगर रिजर्व, सतपुड़ा-मेलघाट टाइगर रिजर्व, वीरांगना दुर्गावती अभयारण्य, राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य, बगदरा अभयारण्य, संजय टाइगर रिजर्व, सोन घड़िया अभयारण्य, कान्हा टाइगर रिजर्व, गांधी सागर अभयारण्य के क्षेत्रों में होने वाले विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यों के लिए वन्य प्राणी संबंधित अनुमतियों पर विचार-विमर्श हुआ। गिद्धों की संख्या में वृद्धि, 10 हजार 845 हुई संख्या बैठक में बताया गया कि प्रदेश में गिद्धों की संख्या में वृद्धि हुई। इस वर्ष के प्रारंभिक ग्रीष्म कालीन आकलन के अनुसार, गिद्धों की संख्या 10 हजार 845 हो गई है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान के चीता पुनर्वास प्रोजेक्ट में चीतों कुल संख्या 26 हो गई है, जिनमें 13 व्यस्क तथा 13 शावक हैं। गांधी सागर अभयारण्य चीता पुर्नस्थापन के लिए तैयार है और सतपुड़ा से 50 गौर बांधवगढ़ ले जाने की योजना है।

एमबीए की छात्रा से दुष्कर्म, आरोपित ने शादी से मना किया तो खाया जहर

सिटी चीफ भोपाल।
छोला मंदिर इलाके में एक एमबीए की छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपित ने शादी करने का झांसा देकर दो साल तक उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में शादी से इनकार कर दिया। इस युवती ने जहरीला पदार्थ खा लिया। पीडिता की शिकायत पर पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर ली है।पुलिस के मुताबिक 24 वर्षीय युवती क्षेत्र में रहती है और एमबीए की पढ़ाई कर रही है। करीब दो साल पहले उसकी मुलाकात सोहागपुर के रहने वाले राहुल पुरी गोस्वामी मोहल्ले में समूह की किस्त की रिकवरी के लिए आया करता था। 20 फरवरी को उसने युवती को घर में अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म कर दिया था,उसके बाद से आरोपित छात्रा को शादी का झांसा देकर दो साल तक दुष्कर्म किया। अभी चार दिन पहले आरोपित के बारे में छात्रा को पता चला कि उसकी शादी किसी और से होने वाली है। जब छात्रा ने उससे बात की तो आरोपित ने शादी करने

से साफ इनकार कर दिया। इस के बाद छात्रा तनाव में आ गई और उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। बाद में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने युवती के बयान दर्ज किए तो उसने पूरा घटनाक्रम बताया। इस पर एफआइआर दर्ज कर ली गई। पुलिस जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार करेगी।

शराब दुकानों का रिजर्व प्राइस अधिक ठेकेदार नहीं दिखा रहे रूचि

सिटी चीफ भोपाल।
जिले की बची हुईं शराब दुकानों का रिजर्व प्राइस अधिक होने से ठेकेदार रूचि नहीं दिखा रहे हैं।दरअसल सात समूह की डेढ़ दर्जन शराब दुकानों के लिए सोमवार को टेंडर प्रक्रिया के दूसरे चरण में एक भी आफर नहीं आया। अब इन सभी दुकानों के लिए फिर से टेंडर जारी किए जाएंगे। जानकारी के अनुसार इन समूह की दुकानों के लिए सोमवार दोपहर ढाई बजे के बाद टेंडर खोले गए, लेकिन इसमें एक भी टेंडर नहीं आया। आबकारी विभाग ने इन सात समूहों की डेढ़ दर्जन दुकानों की रिजर्व प्राइज 157.50 करोड़ रुपये निर्धारित की थी। शराब कारोबारियों का कहना है कि सरकार ने इस बार शराब के

ठेके 15 प्रतिशत महंगे कर दिए हैं। इसलिए उन्होंने आफर देने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। मालूम हो कि इससे पहले जिले की 35 समूहों की 87 शराब दुकानों के नवीनीकरण, लाटरी के तहत 26 समूहों की 66 दुकानें ठेके पर दी जा चुकी है।

प्रेमप्रसंग चलते हुई थी रायसेन के युवक की हत्या

सिटी चीफ भोपाल।
कमलानगर पुलिस ने श्मशान घाट के पास मिले मृतक की पहचान रायसेन के प्रदीप पंथी के रूप में की। बाद में पुलिस ने उसकी हत्या करने वाले दोनों आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। प्रेम प्रसंग के चलते उसकी जहांगीराबाद के दो बदमाशों ने हत्या की थी। हत्या के आरोपितों के खिलाफ 15-15 अपराध मामले पहले से दर्ज हैं। मृतक की पहचान पीठे और कलारियों के पास फुटेज दिखाने पर हुई थी। वह मकान बनाने का ठेका लेता था। बता दें कि गत 6 मार्च की सुबह कमला नगर पुलिस को सूचना मिली थी कि कोविड गेट के सामने श्मशान घाट के पास नया बसेरा रोड पर एक व्यक्ति शव पड़ा, उसके चेहरे पर चोट के निशान थे। मृतक के पास ऐसा कुछ नहीं मिला था जिससे उसकी पहचान हो सके। बाद में पुलिस ने उसकी पहचान के लिए आसपास के जिलों में फोटो भेजे और मजदूरों के पीठे और शराब की कलारियों के पास मृतक की फोटो दिखाई गई।जहां उसकी पहचान नया बसेरा निवासी एक महिला के घर में किराएदार के रूप में हुई। पुलिस उस महिला तक पहुंची। महिला ने मृतक की पहचान प्रदीप पंथी (27) निवासी ग्राम सांचेर रायसेन के रूप में की।शादी की बात को लेकर बहस, फावड़े के बेंत से की हत्या महिला

ने पुलिस को बताया कि उसके चार बच्चे हैं। पति की मौत हो चुकी है। प्रदीप उसके यहां किराये से रहता था। दोनों के बीच प्रेम प्रसंग हो गया था। प्रदीप महिला से शादी करना चाहता था। लेकिन उसका पुराना प्रेमी मोहम्मद अकील (29) निवासी अहीर मोहल्ला जहांगीराबाद चाहता था कि प्रदीप दूर हो जाए तो वह महिला से शादी कर ले। इधर, तीन मार्च को महि?ला ने अकील से शादी कर ली। यह प्रदीप को नागवार गुजरा गत 5 मार्च की रात प्रदीप नशे की हालत में महिला के घर पहुंचा। जहां अकील और उसका दोस्त अजय उर्फ बबलू ठाकुर (27) निवासी अहीर मोहल्ला पहले से मौजूद थे। जहां पर प्रदीप, अकील और उसके दोस्त से बहस करने लगा। जहां अकील ने फावड़ें के बेंत से प्रदीप पर हमला कर दिया। उसने पैर, पीठ, कमर में बेंत मारे। इसके बाद में उसकी हत्या कर दी । बाद में उसके शव को कंधे पर रखकरि ठकाने लगाि दया था।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत से आए सिंधी समाज के लोगों ने सीएए लागू होने पर मनाई खुशियां

भोपाल। देश में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) कानून लागू होने पर सिंध प्रांत से आए सिंधी समाज के लोगो ने आतिशबाजी कर मिष्ठान वितरित कर खुशियाँ मनाई। सिंधु सेना अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा सीएए कानून आने से भोपाल में सिंध प्रांत से आए लगभग 400 लोगो को फायदा मिलेगा । इस अवसर पर अनिल थारवानी ने बताया पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सिंधी समाज में बहुत तकलीफे हे वो अपने देश भारत में आना चाहते है, परंतु कठिन नियमो के कारण वो यहां नहीं आपते नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए)

कानून आने से वो अपने देश भारत में आ सकेंगे। देश में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) कानून लागू होने पर सिंध प्रांत से आए सिंधी समाज के लोगों ने आतिशबाजी कर मिठाई वितरित की। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया।

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में भील समुदाय की चित्रकार रेसु गणावा के चित्रों की प्रदर्शनी

सिटी चीफ भोपाल।
शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। मंगलवार 12 मार्च को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी। जीपी बिरला संग्रहालय में मंदिरों की श्रृंखला प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें भारतीय पुरातत्व भोपाल मंडल के अधीन आने वाले मप्र के पाषण मंदिरों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं।समय सुबह साढ़े दस बजे से है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय ने माह का प्रदर्श के तहत भूटिया समुदाय के अनुष्ठानिक उपकरण फुरबा को प्रदर्शित किया है।वीथी संकुल में इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में भील समुदाय की चित्रकार रेसु गणावा के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया

जा रहा है। 47वीं शलाका चित्र प्रदर्शनी को सुबह 11 बजे से शाम सात बजे तक देखा जा सकता है। मप्र राज्य सहरकारी संघ परिसर, त्रिलंगा में सहकारी हुनर हाट हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी में देश भर के हस्त शिल्पियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं का विक्रय किया जा रहा है।समय दोपहर दो बजे से रात दस बजे तक है। शहीद भवन में तीन दिवसीय रंग फुलवारी नाट्य समारोह के पहले दिन नाटक वीरांगना लक्ष्मी बाई का मंचन किया जाएगा। शाम साढ़ छह बजे से आरंभ होने वाली प्रस्तुति का निर्देशन रविंद्र मोरे ने किया है। रामकृष्ण रिपरटायर कल्चरल एंड सोशल सोसायटी की प्रस्तुति नाटक महाकपि का मंचन लिटिल बैले ट्रूप में शाम सात बजे से होगा। निर्देशन विशाल चतुर्वेदी ने किया है।

निजी स्कूलों को 31 मार्च तक पाठ्यक्रम, किताबें फीस व गणवेश की जानकारी देना होगा

सिटी चीफ भोपाल।
निजी स्कूलों के खिलाफ फीस मनमानी, गणवेश,पाठ्यक्रम सहित कापी-किताब को लेकर नवदुनिया लगातार खबरें प्रकाशित कर रहा है। इसे लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारी को आदेश जारी किए हैं कि मप्र बोर्ड और सीबीएसई से संबद्ध स्कूल 31 मार्च तक पाठ्यक्रम,किताबें,फीस व गणवेश की जानकारी उपलब्ध कराएं। भोपाल संभाग के संयुक्त संचालक अरविंद कुमार चौरगड़े ने जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी किए हैं कि जिले में सभी माध्यमिक शिक्षा मंडल के निजी स्कूल, सीबीएसई व आइसीएसई बोर्ड के स्कूल प्री-प्रायमरी,पहली से लेकर 12वीं कक्षा में चलाई जाने वाली किताबें व कापियों की सूची व यूनिफार्म की जानकारी 31 मार्च तक उपलब्ध कराएं। साथ ही अपने स्कूल के सूचना पटल पर प्रदर्शित करते हुए स्कूल की वेबसाइट पर

भी अपलोड की जाए।इसकी एक सूची जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय (डीइओ) में भी मंगवाएं।यह भी सुनिश्चित करें कि किसी एक विक्रता का एकाधिकार न हो।साथ ही जिन स्कूलों ने बिना पाठ्यक्रम परिवर्तित किए हुए, पिछले वर्ष की प्रचलित किताबों व प्रकाशकों को परिवर्तित किया है। इसकी जांच कराकर प्रतिवेदन भी सौंपे। स्कूल नियमों का पालन करें स्कूलों को निर्देशित किया गया है कि पुस्तकों के चयन में सीबीएसई के सुर्कलर,मप्र स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देश एवं मप्र माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्कूलों की मान्यता नियम 2017, संशोधित नियम 2020 एवं 2021 के नियमों का पालन हो।

संपादकीय

जंगल जीवन और अनुभव का संसार

जब मैं चौथी कक्षा में थी, तब हम मसूरी में रहते थे, लेकिन जल्द ही हम मुंबई में रहने लगे। मेरा मसूरी से मुम्बई का सफर मेरे लिए बहुत मुश्किल था। प्रकृति की मनोरम वादियो से परे कंकरीट के जंगलों मे मुझे मसूरी की बहुत याद आती थी। यही वह समय था जब मैंने हरियाली और पक्षियों से भरे प्राकृतिक स्थानों की शांति और सुंदरता का विश्लेषण करना शुरू किया। प्रकृति के प्रति इस रुझान के बावजूद, मैंने स्कूल में, वास्तव में सीनियर स्कूल में, पर्यावरण से संबंधित किसी भी चीज़ पर ध्यान नहीं दिया और न ही मैंने जीवन विज्ञान या वन्यजीव संरक्षण पर ध्यान दिया। 2015 में, जब मैंने बायोलॉजिकल साइंसेज के छात्र के रूप में पिलानी में बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और साइंस में दखिला लिया, तब मेरे प्राकृतिक प्रेम को, जो मेरे मन मे कही सुप्तावस्था मे था उसे सतही होने का अवसर प्राप्त हुआ। इसके साथ ही मेरे अपने कॉलेज का फोटोग्राफी क्लब को ज्वाइन करने के निर्णय ने मुझे स्वाभाविक रूप से पक्षी और प्रकृति फोटोग्राफी की ओर आकर्षित होने मे सहयोग प्रदान किया और मुझे पक्षीविज्ञान के क्षेत्र में शोध करने के लिये प्रेरित किया। शुरुआत में मेरा शोध कार्य मेरे आसपास की पक्षियों और पौधों के रिकॉर्ड बनाने और कुछ बुनियादी व्यवहार संबंधी अवलोकन करने तक ही सीमित था। एक शोधकर्ता के रूप में मुझे मेरा पहला पूर्णकालिक अनुभव तब प्राप्त हुआ, जब मैंने कोर्स की थीसिस के लिए 2018 में,देहरादून में वन अनुसंधान संस्थान ज्वाइन किया। यहां मेरे अनुसन्धान का विषय देहरादून के शहरी क्षेत्रों में पक्षियों की आबादी और विविधता को प्रभावित करने वाले कारक- जैसे वनस्पति, शहरी हरे स्थानों का आकार का अध्ययन था। मैंने इस प्रोजेक्ट पर 6 महीने तक काम किया। 2019 में, मैं हिमाचल प्रदेश वन विभाग में रिसर्च असिस्टेंट के रूप में शामिल हो गई। जहां मैं चिहिर नामक पक्षी के पुनरुत्पादन प्रोजेक्ट मे कार्यरत थी। यह एक जमीन पर रहने वाला पक्षी है और केवल हिमालय के घास के मैदानों में पाया जाता है। कुछ अन्य कारणों के अलावा, निवास स्थान के नुकसान और खंडित शिकार के कारण इसकी संख्या में कमी आ रही है। इस प्रोजेक्ट के लिए मैं सेरी नामक सुदूर गांव में रहती थी, जो शिमला से 40 किमी दूर है। मैं यहां दो साल तक रही और मैने रेडियो ट्रेसिंग और कैमरा ट्रैकिंग जैसी विभिन्न तकनीकें सीखी। मैंने स्थानीय समुदाय के साथ काम करना भी सीखा और जमीनी संरक्षण में मदद करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को समझा। इस प्रोजेक्ट के अंत तक, मैंने अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाते हुए केवल पक्षियों को देखने के बजाय पारिस्थितिकी तंत्र दृष्टिकोण से कंन्जरवेशन को समझने का सतत प्रयास किया। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए मैं अपने वर्तमान प्रोजेक्ट में कार्यरत हूं। परियोजना के एक अंश के रूप में हम जलवायु परिवर्तन के खिलाफ मैंग्रोव की लचीलाई को समझने का प्रयास कर रहे हैं। इसे पता करने के लिए हम भारत में मैंग्रोव में दीर्घकालिक निगरानी क्षेत्र स्थापित कर रहे हैं। भारतीय तट के चुनिंदा मैंग्रोव क्षेत्रों में सतह की ऊंचाई में परिवर्तन को निर्धारित करने के लिए दीर्घकालिक निगरानी क्षेत्र स्थापित करके, यह कार्यक्रम प्रबंधन निर्णय लेने, पुनर्स्थापना की प्राथमिकताओं की पहचान करने, और मैंग्रोव संरक्षण के लिए हस्तक्षेप की योजना बनाने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करता है। इस परियोजना के अंतर्गत, मुझे आंध्र प्रदेश में कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य और पश्चिम बंगाल में सुंदरवन बायोस्फीयर रिजर्व में काम करने का अवसर मिला है। इस अध्ययनको आगेबढ़ाते हुये, मैं आने वाले दिनोमें जल्द ही अन्य मैंग्रोव क्षेत्रोंपर भी काम करूँगी। मुझे अपना कार्यपसंद है, लेकिन मेरा मानना है कि इसमें कई चुनौतियाँ हैं। अनुसंधान में बहुत समय और समर्पण चाहिए और फील्ड काम भी थकान और जोखिम भरा होता हैं। महिला होने के कारण शारीरिक सुरक्षा के अलावा और भी अधिक चुनौतियाँ होती हैं, जैसे कि कुछ लोगों के विरोध और समर्थन की कमी। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे अच्छे गुरु और सहकर्मी मिले हैं, और मेरे कुछ दोस्तों, वरिष्ठों, और परिवार ने मुझे समर्थन और मार्गदर्शन दिया है। चुनौतियों के बावजूद, मुझे अपने काम में आनंद आता है और मैं मैदान में काम करते समय खुश होती हूं। मैंने देश के कुछ सबसे खूबसूरत जगहों पर काम किया है, और मुझे आशा है कि मैं और भी कई क्षेत्रों में काम कर पाऊंगी। मैं आशा करती हूं कि मेरा काम पर्यावरणीय संरक्षण और रख-रखाव में योगदान करेगा।

सियासतः इतनी भगदड़ के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व के रवैये में बदलाव नहीं

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में धूमिल संभावनाओं को देखते हुए कांग्रेस एक विखंडित पार्टी के रूप में नजर आ रही है। वर्ष 2014 लेकर अब तक पार्टी ने 50 से यादा प्रभावशाली नेताओं, जिनमें 15 मुख्यमंत्री और इतने ही पूर्व केंद्रीय मंत्री, एआईसीसी पदाधिकारी और अन्य प्रतिष्ठित लोग शामिल हैं, को बाहर निकलते देखा है। पिछले दस वर्षों में पंद्रह पूर्व मुख्यमंत्रियों के पार्टी से बाहर जाने के बावजूद एक भी मामले में कांग्रेस नेतृत्व ने यह जानने की कोशिश नहीं की कि इतने सारे वरिष्ठ और दिग्गज नेता पार्टी छोड़कर क्यों जा रहे हैं। इसने डॉ अजय कुमार, अरविंदर सिंह लवली, कृष्णा तीरथ, अलका लांबा जैसे उन थोड़े से पार्टी नेताओं से प्रतिक्रिया लेने की भी कोशिश नहीं की, जो वास्तव में पार्टी में लौट आए थे। संयोग से यह पहला अवसर नहीं है, जब कांग्रेस का भविष्य खराब दिख रहा है या गांधी परिवार पर हमले हो रहे हैं। इंदिरा गांधी को दो बार 1969 एवं 1977 में ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने अपने विरोधियों को परास्त कर बाजी पलट दी। यहां तक कि जब 1987 में राजीव गांधी का पतन शुरू हुआ, तो कई नेता विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में जनमोर्चा के गठन के लिए पार्टी छोड़कर चले गए। नरसिंह राव के कार्यकाल में अरुण सिंह, एनडी तिवारी, एस बंगरप्पा, माधवराव सिंधिया और ममता बनर्जी पार्टी जैसे नेता पार्टी से बाहर हो गए। वर्ष 1999 में शरद पवार ने अपनी अलग राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बनाई। लेकिन 2014 के बाद कोई विभाजन नहीं हुआ, जो थोड़ा असामान्य है। क्या ऐसा इसलिए है, क्योंकि वर्तमान कांग्रेस नेता अलग हुए समूहों को राजनीतिक रूप से व्यावहारिक नहीं पाते हैं? या फिर ऐसी भावना है कि कांग्रेस की विचारधारा को कोई अपनाने वाला नहीं है, इसलिए विपरीत खेमे यानी भाजपा में शामिल होना ही समझदारी है? पार्टी छोड़ने वाले नेताओं को दोष देने के बजाय कांग्रेस को अपने वैचारिक ढांचे को मजबूत करना होगा और 'क्या करें' तथा 'क्या नहीं करें' की एक सूची बनानी होगी। लेखक जहीर मसानी ने एक बार पूर्व प्रधानमंत्री को उद्धृत करते हुए कहा था कि कोई व्यक्ति जो राष्ट्र प्रमुख हो, वह व्यावहारिक न होने का जोखिम भला कैसे उठा सकता है। आपको हर दिन व्यावहारिक बनना पड़ता है। लेकिन आपको अपनी व्यावहारिकता को किसी प्रकार के आदर्शवाद से जोड़ना होगा, अन्यथा आप जो करना चाहते हैं, उसके लिए लोगों को उत्साहित नहीं कर पाएंगे। राहुल की कांग्रेस में पार्टी की विचारधारा लोगों को उत्साहित करने में विफल रही है

जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी, जाति आधारित जनगणना, खून की दलाली, चौकीदार चोर है जैसी राहुल की टिप्पणियों और राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने से इन्कार ने पार्टी विचारधारा को मजबूत बनाया है। दिवंगत वीएन गाडगिल ने कहा था कि भावनात्मक मुद्दों पर कांग्रेस दो पाटों के बीच फंस गई है। इसके अलावा, राहुल गांधी गैर-परंपरागत और लापरवाह नेता के रूप में दिखते हैं। पूर्व कांग्रेस प्रमुख के रूप में राहुल लाखों कांग्रेस कार्यकर्ताओं, समर्थकों और मतदाताओं की भावनाओं और संवेदनाओं को उचित महत्व दिए बिना अपने अधिकार की भावना से ग्रस्त दिखे।

ऐतिहासिक रूप से अपने राजनीतिक अभियानों में धर्म को मिलाने की कांग्रेस की कोशिश समस्याग्रस्त रही है। धर्म एवं राजनीति को लेकर जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी के विचारों में भारी विरोधाभास थे। जैसा कि मैंने अपनी पुस्तक 24, अकबर रोड में उल्लेख किया है, नेहरू धर्मनिरपेक्षता की अपनी परिभाषा को लेकर दृढ़ थे, जिसका मतलब था जीवन के राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहलू से धर्म को अलग रखना। नेहरू के विचार से, धर्म एक व्यक्तिगत मामला है, जिससे राय को हर कीमत पर अलग होना चाहिए।

लेकिन महात्मा गांधी के लिए धर्म धर्मनिरपेक्षता का अभिन्न हिस्सा था। गांधी कहते थे कि धर्म रहित राजनीति पूरी तरह गंदगी है। राहुल गांधी का मुस्लिम बुद्धिजीवियों को शामिल करने का कदम, शशि थरूर की भारत के हिंदू पाकिस्तान में बदलने की आशंका और 2019 में कांग्रेस के घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर से सुरक्षा बलों को आंशिक रूप से वापस बुलाने की पेशकश का नकारात्मक असर हुआ।

वर्ष 1969, 1977, 1989 या 1996 से कहीं यादा वर्ष 2024 में कांग्रेस को विश्वसनीय नेतृत्व, चुनावी सफलता और आत्मविश्वास की जरूरत है। लेकिन कांग्रेस उम्मीदवारों की पहली सूची सांगठनिक उद्देश्यों के बजाय व्यक्तिगत हितों से प्रेरित लगती है। उदाहरण के लिए, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हाल ही में विधायक चुने जाने के बावजूद राजनंदगांव से चुनाव लड़ रहे हैं। बघेल की योजना के अनुसार, राजनंदगांव से जीत जाने पर वह कांग्रेस के एक विश्वसनीय पिछड़े नेता के रूप में सामने आएंगे। दूसरी तरफ, राजस्थान में अशोक गहलोत स्वयं तो चुनाव नहीं लड़ रहे हैं, लेकिन जालौर से अपने बेटे वैभव की उम्मीदवारी पर जोर दे रहे हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि गहलोत राजस्थान की आधा दर्जन सीटों पर भी कांग्रेस प्रत्याशियों को जिताने की जिम्मेदारी नहीं ले रहे हैं। वर्ष 2014 और 2019 में कांग्रेस 25 सीटों में से एक भी सीट जीत नहीं पाई।

अलपुझ्झा सीट से एआईसीसी संगठन प्रभारी महासचिव केसी वेणुगोपाल की उम्मीदवारी देखकर कई कांग्रेसी भी हैरान रह गए। केसीवी फिलहाल राजस्थान से रायसभा सांसद हैं और उनका कार्यकाल 2028 तक है। यदि लोकसभा चुनाव जीतने के बाद वह रायसभा सीट छोड़ते हैं, तो वह सीट भाजपा के पास चली जाएगी। कथित तौर पर यदि कांग्रेस 2024 के चुनाव में 55 या उससे अधिक सीटें जीतने में कामयाब होती है, तो केसीवी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने की उम्मीद में चुनाव लड़ रहे हैं। केसीवी इस धारणा पर अपनी संभावनाओं की कल्पना कर रहे हैं कि राहुल गांधी वायनाड से जीतने के बाद नेता प्रतिपक्ष की भूमिका नहीं निभाएंगे और शशि थरूर, भूपेश बघेल या मनीष तिवारी अगर जीतते भी हैं, तो पार्टी अधीर रंजन चौधरी जैसे चेहरों की तलाश करेगी। यदि 18वीं लोकसभा में वास्तव में ऐसा होता है, तो कांग्रेस को कुछ और नेताओं के पार्टी छोड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए।

संपत्ति बाजारः रियल एस्टेट एजेंट की जवाबदेही तय हो, धोखाधड़ी रोकने के लिए नए कानून की दरकार

इंसान हो या पक्षी या फिर जानवर, सभी शाम को लौटकर अपने घर आते हैं, लेकिन भारत में आज भी बहुत कम लोग अपने घर के सपने को पूरा कर पाते हैं। अधिकांश लोगों का जीवन किराये के मकान में गुजर जाता है या फिर बिना किसी छत के। भारत में घरों के स्वामित्व का राष्ट्रीय औसत 86.6 फीसदी है। राज्यों में, सिक्किम में घर का स्वामित्व सबसे कम 64.5 फीसदी है, जबकि केंद्र शासित प्रदेश, दमन और दीव में घर का स्वामित्व सबसे कम 38.3 फीसदी है। नाबार्ड के आंकड़ों के अनुसार, देश की 58 फीसदी आबादी आज भी खेती-किसानी पर निर्भर है, लेकिन उनका ठीक से गुजर-बसर नहीं हो पा रहा है। इसलिए वे बेहतर रोजगार हासिल करने के लिए गांव से शहर की ओर पलायन कर रहे हैं। इस वजह से शहरों में आबादी का दबाव लगातार बढ़ रहा है। चूंकि जमीन सीमित है, इसलिए हर व्यक्ति के लिए खुद का मकान बनाना मुमकिन नहीं है। इस समस्या के समाधान हेतु शहरों और कस्बाई इलाकों में अपार्टमेंट संस्कृति का आगाज हुआ है। आरंभ में छोटी पूंजी वाले डेवलपर एक साथ कई परियोजनाओं को शुरू कर देते थे, ताकि ज्यादा संख्या में खरीदारों से दो से तीन किस्तों की वसूली की जा सके। एक से अधिक परियोजनाओं को जीवित रखने के लिए वे फंड डाइवर्ट करते थे, अर्थात कभी 'एक्स' परियोजना का पैसा 'वाई' परियोजना में लगा देते थे, तो कभी 'जेड' परियोजना में। नतीजतन कोई भी परियोजना समय से पूरी नहीं हो पाती थी। अमूमन, एजेंट के जरिये वे प्रॉपर्टी की कीमत 50 से 70 फीसदी नकद में वसूलते थे, ताकि काले धन को सफेद बनाया जा सके। कालांतर में, बड़ी कंपनियां डेवलपर्स बन गईं, जिससे फंड डाइवर्जन, काले धन को सफेद बनाने की प्रक्रिया, खरीदारों को समय पर पजेशन नहीं मिलने जैसी अनियमिताओं पर अंकुश लग गया। सरकार ने भी खरीदारों की परेशानियों को समझा और वर्ष 2016 में रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) कानून को अमली-जामा पहनाया। यह अधिनियम राज्यसभा में 10 मार्च, 2016 को और लोकसभा में 15 मार्च, 2016 को पारित किया गया। रेरा अधिनियम को मूर्त रूप देने का मकसद था घरेलू खरीदारों के हितों की रक्षा करना। यह कानून डेवलपर को परियोजना के दो-तिहाई से अधिक खरीदारों की लिखित सहमति के बिना किसी फ्लैट, मकान, दुकान के लिए स्वीकृत योजना से अलग बदलाव करने से प्रतिबंधित करता है। इस कानून को अमली-जामा पहनाने के बाद से रियल एस्टेट में निवेश करने वाले ईमानदार निवेशकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। कुछ राज्यों को छोड़कर, भारत के लगभग सभी राज्यों ने रियल एस्टेट क्षेत्र को विनियमित करने के लिए राज्य रेरा कानून को मूर्त रूप दिया। बेशक रेरा कानून रियल एस्टेट कारोबार में पारदर्शिता और जबावदेही लेकर आया, इसके बावजूद, यह रियल एस्टेट एजेंटों के काले कारनामों पर प्रभावी ढंग से लगाम नहीं लगा सका। आज भी रियल एस्टेट एजेंट मोटी कमीशन के लालच में भ्रम पैदा करने वाली सूचनाएं, गलत जानकारी आदि देकर खरीदारों को दोयम दर्जे की प्रॉपर्टी मुंहमांगी कीमत पर दिलवा रहे हैं। अमूमन, खरीदार को अपार्टमेंट के आसपास के क्षेत्रों के बारे में जानकारी नहीं होती है, जिसके कारण वे उपलब्ध कराई गई सूचनाओं को न तो स्वयं सत्यापित कर पाते हैं और न ही किसी दूसरे से उसका सत्यापन करवा पाते हैं। अंतत, वे एजेंट के झांसे में आकर ठगे जाते हैं। साफ है कि रियल एस्टेट एजेंट और डेवलपर को तभी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जब उनकी धोखाधड़ी को साबित किया जा सके। लिहाजा, सरकार को रेरा कानून की तरह रियल एस्टेट एजेंट की जबावदेही तय करने के लिए एक ऐसे कानून को मूर्त रूप देना चाहिए, जिसमें केवल पंजीकृत व्यक्ति द्वारा रियल एस्टेट एजेंट का कार्य करने, रियल एस्टेट एजेंट को डेवलपर का कानूनी प्रतिनिधि बनाने, रियल एस्टेट एजेंट को नियुक्ति पत्र और कमीशन देने की शर्तों का उल्लेख ऑफर लेटर में करने आदि के प्रावधान होने चाहिए। साथ ही, जमीन की खरीद-फरोख्त में विक्रेता को पैसे मिले या नहीं, यह सुनिश्चित करने के लिए विक्रेता को खाते का विवरण रजिस्ट्री कार्यालय में जमा करवाना अनिवार्य कर देना चाहिए। ऐसे प्रावधानों से काले धन के सर्कुलेशन पर लगाम लगेगी और रियल एस्टेट एजेंट खरीदार से अवांछित कीमत की वसूली नहीं कर सकेगा।

भस्मारती में चांदी के श्रृंगार से सजे बाबा महाकाल, भक्तों ने किए बाबा के दिव्य स्वरूप के दर्शन

आप प्रतिदिन बाबा महाकाल के विभिन्न स्वरूपों में दर्शन करते हैं। कभी बाबा महाकाल का मावे से श्रृंगार किया जाता है तो कभी भांग और पूजन सामग्री से लेकिन प्रतिदिन होने वाले श्रृंगार की एक विशेष बात जरूर होती है और वह यह कि इस श्रृंगार में बाबा महाकाल स्वर्ण नहीं बल्कि पूरे श्रृंगार में चांदी का उपयोग करते हैं। बिलपत्र, मुंडों की माला, रुद्राक्ष, मुकुट हो या भोग लगाने के पात्र सब कुछ चांदी के ही होते हैं। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज फाल्गुन शुक्ल पक्ष की द्वितीया पर मंगलवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और रुद्राक्ष और पुष्पों की माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि आज द्वितीया की भस्मआरती में बाबा महाकाल को बिलपत्र, मुंडों की माला, रुद्राक्ष, मुकुट हो या सर्प सब कुछ सोने नहीं चांदी का अर्पित कर पूजन किया गया और मिष्ठान का भोग भी लगाया गया था। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे जिन्होंने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महानिर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

फुलेरा दूज आज, जानें महत्व, पूजाविधि और पौराणिक कथा

धार्मिक मान्यता के अनुसार वैसे तो फाल्गुन का पूरा महीना श्री राधा-कृष्ण की आराधना के लिए श्रेष्ठ माना जाता है लेकिन फुलेरा दूज के पर्व पर राधा-कृष्ण की पूजा का विशेष महत्व है। पंचाग के अनुसार हर वर्ष फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को फुलेरा दूज का त्योहार मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन श्रीकृष्ण राधा और उनकी गोपियों संग फूलों की होली खेलते हैं। फुलेरा दूज के दिन को विवाह और शुभ कार्यो के लिए अबूझ मुहूर्त माना जाता है। ब्रजभूमि के कृष्ण मंदिरों फुलेरा दूज का त्योहार बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन रंग बिरंगे एवं सुगंधित पुष्पों से श्रीकृष्ण और उनकी प्रिया राधा रानी की पूजा करने से वैवाहिक जीवन में प्रेम बढ़ता है। सुयोग्य जीवनसाथी की कामना के साथ इस दिन कुंवारी लड़किया श्री कृष्ण संग राधा की पूजा करके उनके निमित्त व्रत भी रखती है। राधारानी और श्रीकृष्ण सच्चे प्रेम के प्रतीक हैं। फुलेरा दूज पर उनकी पूजा से दांपत्य जीवन में मजबूती आती है, प्रेम और सौहार्द भाव बढ़ता है। इस पवित्र दिन पर राधा रानी को श्रृंगार की वस्तुएं जरूर अर्पित करें और उनमें से श्रृंगार की कोई एक वस्तु अपने पास संभाल कर रख लें। मान्यता है कि ऐसा करने से जल्द विवाह हो जाता है।इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करके सूर्य देव को जल अर्पित करें और श्री राधा-कृष्ण का गंगाजल, दही, जल, दूध और शहद से अभिषेक करें। यदि मूर्ति नहीं है तो राधा-कृष्ण की तस्वीर को गंगाजल से छींटे लगाकर पूजा करें। फिर श्री राधा-कृष्ण को नए वस्त्र (लाल,गुलाबी,पीले केसरिया,हरे) पहनाकर श्रृंगार करें और उन्हें चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर विराजमान करें।

शाहरुख खान ने फिल्म 'मोहब्बतें' के पॉपुलर सीन को किया रीक्रिएट

मुंबई शाहरुख खान ने हाल ही में अनंत और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग फंक्शन में लोकप्रिय बॉलीवुड गानों पर परफॉर्म किया। उनके साथ सलमान खान और आमिर अभिनेताओं ने भी डांस किया। इसके बाद एक बार फिर किंग खान के फैंस को एक्टर के डांस की झलक देखने को मिलेगी। 'जी सिने अवॉर्ड्स' में एक्टर ने पुरानी फिल्मों की यादें ताजा की हैं। वर्ष 2023 में शाहरुख खान ने चार साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की। जनवरी महीने में रिलीज हुई फिल्म पठान ने एक हजार करोड़ तक का कलेक्शन कर पूरे बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। इसके बाद आई फिल्म जवान ने भी रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी। बॉलीवुड के इस बादशाह को तमाम पुरस्कार समारोहों में विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जा रहा है।हाल ही में हुए जी सिने अवॉर्ड्स में शाहरुख को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला। इसके अलावा इस समारोह में एक्टर साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म मोहब्बतें के एक पॉपुलर सीन को रीक्रिएट करते नजर आ रहे हैं। इसमें शाहरुख ने राज मल्होत्रा का किरदार निभाया था। किंग खान ने 24 साल बाद इस पुरस्कार समारोह में वायलिन बजाकर राज के सभी को प्रभावित करने वाले इस प्रतिष्ठित दृश्य को फिर से बनाया। ये वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इन वीडियो को पैपराजी के साथ एक्टर के फैन पेज से भी शेयर किया गया है। इस बीच शाहरुख खान की फिल्म जवान ने जी सिने अवॉर्ड्स समारोह में सबसे ज्यादा अवॉर्ड अपने नाम किए हैं। जवान ने बेस्ट एक्टर, फिल्म, बीजीएम जैसे कई अवॉर्ड जीते हैं।

मशहूर फिल्म प्रोडयूसर धीरजलाल शाह का निधन

'विजयपथ' - 'द हीरो' समेत कई फिल्मों का किया था निर्माण

नई दिल्ली । मशहूर फिल्म निर्माता धीरजलाल शाह का निधन हो गया है। उनके भाई हसमुख शाह ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए बताया कि पिछले काफी समय से मुंबई के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था और इलाज के दौरान सोमवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। बता दें, धीरजलाल शाह ने सनी देओल की फिल्म 'द हीरो- लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई' का निर्माण किया था। अक्षय कुमार की हिट फ्रेंचाइजी 'खिलाड़ी' और अजय देवगन की फिल्म 'विजयपथ' पर पैसे लगाए थे।

कोविड की वजह से आई समस्या हसमुख शाह ने बताया, 'उन्हें कोरोना हो गया था। कोरोना के बाद से ही उनके फेफड़ों में समस्या रहने लगी। 20 दिन पहले जब उनका स्वास्थ्य कुछ ज्यादा ही बिगड़ने लगा तब हमने उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया।' बता दें, फिल्म निर्माता का अंतिम संस्कार आज मुंबई में होगा। 'द हीरो- लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई' के निर्देशक अनिल शर्मा ने धीरजलाल शाह के निधन पर दुख व्यक्त किया है। अनिल शर्मा ने लिखा, 'वे न केवल एक अच्छे निर्माता थे बल्कि एक बहुत अच्छे इंसान भी थे। उन्होंने वीडियो की एक ऐसी अद्भुत दुनिया बनाई थी जो अपने आप में क्रांतिकारी थी। हम उन्हें अपनी यादों में जिंदा रखेंगे।' वहीं, निर्माता हरीश सुगंध ने श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, 'उन्होंने 'शहंशाह' के राइट्स खरीदे थे। बिग बी की इस फिल्म ने उनकी जिंदगी बदल दी और वह वीडियो किंग बन गए। उनके पास लगभग सभी फिल्मों के राइट्स हुआ करते थे।

प्रधानमंत्री डॉ. मोहन यादव आज अपनी कैबिनेट के साथ देखेंगे फिल्म आर्टिकल 370

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज (सोमवार को) अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ फिल्म आर्टिकल 370 देखने के लिए जाएंगे। रात आठ बजे से ड्राइव इन सिनेमा एमपी टूरिज्म में इस फिल्म का प्रदर्शन किया जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक भी प्रस्तावित है। फिल्म निर्देशक आदित्य सुहास जांभले द्वारा बनाई गई फिल्म आर्टिकल 370 जम्मू एंड कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के ऐतिहासिक फैसले पर आधारित है। मध्य प्रदेश सरकार ने इस फिल्म को राज्य में टैक्स फ्री किया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनता से फिल्म को देखने की अपील भी की है। इस फिल्म में अभिनेत्री यामी गौतम मुख्य भूमिका में है। उन्होंने फिल्म में पुलिस अधिकारी का किरदार निभाया है। वहीं, अरुण गोविल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका में है। एक्टर किरण करमरकर ने अमित शाह की भूमिका निभाई है।

अजय देवगन की शैतान का बॉक्स ऑफिस पर जलवा जारी

मुंबई । बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन की फिल्म 'शैतान' 8 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। पहले तीन दिन में फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की है। इस फिल्म में पहली बार अजय देवगन और आर माधवन एक साथ नजर आए हैं। आज तक हीरो के तौर पर मशहूर आर माधवन ने इस फिल्म में विलेन का किरदार निभाकर दर्शकों को हैरान कर दिया है। काले जादू, वशीकरण पर आधारित हॉरर और थ्रिलर 'शैतान' दर्शकों के बीच हिट हो गई है और इसका रिस्पॉन्स बॉक्स ऑफिस पर भी देखने को मिल रहा है। फिल्म 'शैतान' इन तीन दिन में 50 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म शैतान ने रविवार को 20 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म ने पहले दिन 14.75 करोड़ की कमाई की थी, जबकि दूसरे दिन फिल्म ने 18.75 करोड़ की कमाई की। इन तीन दिनों में शैतान ने 53.50 करोड़ की कमाई कर ली है। 60 से 65 करोड़ के बजट वाली यह फिल्म जल्द ही अपनी कमाई पूरी कर लेगी।अजय देवगन और आर माधवन की शैतान गुजराती फिल्म वाश का रीमेक है। वाश 10 फरवरी 2023 को रिलीज हुई थी, लेकिन फिल्म लोगों तक पहुंचने में असफल रही। फिल्म वाश में मुख्य भूमिका निभाने वाली जानकी बोदीवाला ने शैतान में भी अपनी पहचान बनाई है। वहीं, फिल्म शैतान की बात करें तो यह फिल्म काला जादू, वशीकरण और अंधविश्वास पर आधारित है। फिल्म में अजय देवगन एक पिता की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि आर माधवन वनराज नाम के खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं।

शाहरुख खान हॉलीवुड फिल्मों में क्यों काम नहीं करते? अभिनेता ने बताई ये वजह

मुंबई- शाहरुख खान न सिर्फ देश बल्कि विदेशों में भी एक प्रसिद्ध नाम है और दुनियाभर में लोग उनकी एक झलक पाने के लिए तरसते हैं. चाहे बीते दौर की हीरोइनें हों या फिर न्यूकमर, किंग खान के साथ रोमांटिक पोज देना और उनके साथ काम करना हर एक फीमेल स्टार का सपना होता है. अभिनय से ज्यादा वे अपने व्यक्तित्व के लिए भी जाने जाते हैं. अबिनेता 30 से अधिक वर्षों से बॉलीवुड के 'किंग खान' के रूप में राज कर रहे हैं. भले ही उन्होंने कोई हॉलीवुड फिल्म नहीं की हो, लेकिन उनका स्टारडम सात समंदर पार भी वैसा ही है जैसा कि भारत में. हाल ही में उन्होंने एक बातचीत में इस सवाल का जवाब दिया कि आखिर उन्होंने अब तक हॉलीवुड में क्यों एक्टिंव नहीं की.

शाहरुख को ऑफर हुई थी 'स्लमडॉग मिलियनेयर'

जैसा कि हर कोई एक ही सवाल पूछ रहा है, 'शाहरुख हॉलीवुड में अभिनय क्यों नहीं कर रहे हैं?', किंग खान ने खुद इसके पीछे का कारण बताया है. इससे पहले, शाहरुख ने साझा किया था कि उन्हें डैनी बॉयल की 2008 की फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर' की पेशकश की गई थी लेकिन किसी वजह से उन्होंने इसे करने से इनकार कर दिया था. शाहरुख को टीवी गेम शो 'हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर?' में होस्ट की भूमिका की पेशकश की गई थी. लेकिन अनिल कपूर ने यह किरदार निभाया क्योंकि शाहरुख ने कथित तौर पर यह प्रोजेक्ट ठुकरा दिया था.

ब्राउन रंग के व्यक्ति का रोल मिलता तो हॉलीवुड में काम करेंगे

हाल ही में द नेशनल न्यूज के साथ एक इंटरव्यू में शाहरुख ने खुलासा किया कि अगर वे 46 वर्षीय ब्राउन रंग के भारतीय व्यक्ति की कहानी लेकर उनके पास आते तो वो हॉलीवुड में काम कर लेते. क्योंकि उस वक्त एक्टर की उम्र 46 साल थी. शाहरुख ने यह कहकर इसे भी स्पष्ट कर दिया, 'मैं जॉन ट्रैवोल्टा से बेहतर डांस नहीं कर सकता. मैं टॉम क्रूज से ज्यादा अच्छा नहीं दिखता. मैं इसकी आकांक्षा नहीं करता, इसलिए नहीं कि मैं ऐसा नहीं करना चाहता, बल्कि इसलिए कि मैं उनके जैसा नहीं कर सकता.

लियोनार्डो डिकैप्रियो संग स्क्रीन शेयर करेंगे शाहरुख?

अभिनेता ने उस अफवाह पर प्रतिक्रिया व्यक्त की जिसमें कहा गया था कि वो पॉल श्रेडर की 'एक्सट्रीम सिटी' में लियोनार्डो डिकैप्रियो के साथ स्क्रीन साझा करेंगे. शाहरुख ने बताया कि इसके लिए 6 से 8 महीने की तैयारी की आवश्यकता होगी, और उन्हें दो और फिलहाल उन्हें अपने पेंडिंग पड़े 2 प्रोजेक्ट पूरे करने हैं. लिहाजा ये फिल्म नहीं बन पाई. काम के मोर्चे पर, शाहरुख खान अगली बार वाईआरएफ की 'पठान 2' में दिखाई देंगे. वो सुजॉय घोष की अगली थ्रिलर फिल्म में अपनी बेटी सुहाना खान के साथ भी स्क्रीन शेयर करेंगे.

फिल्मों में रेप करते हैं शत्रुघ्न सिन्हा, वीडियो शेयर कर भाजपा का हमला

कोलकाता । टीएमसी ने इस बार लोकसभा चुनाव में आसनसोल सीट से पूर्व भाजपा सांसद और अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा को टिकट दिया है। शत्रुघ्न की उम्मीदवारी को लेकर भाजपा ने टीएमसी पर हमला किया है। भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर एक क्लिप पोस्ट करते हुए कहा, 'मिलिए शत्रुघ्न सिन्हा से। आसनसोल से टीएमसी के उम्मीदवार हैं। टीएमसी रील और रियल लाइफ में रेपिस्ट से भरी पड़ी है।' मालवीय ने कहा, बड़े आश्चर्य की बात है कि ममता बनर्जी ने शत्रुघ्न सिन्हा को महिला दिवस पर आयोजित सशक्तीकरण जुलूस में नहीं बुलाया। अमित मालवीय का साथ देते हुए राज्य में भाजपा की सचिव प्रियंका टिबरेवाल ने कहा, टीएमसी की चॉइस ही ऐसी है। वह रील और रियल लाइफ हीरो में बैलेंस बनाकर चलती है। टिबरेवाल ने कहा, टीएमसी के रील और रियल लाइफ हीरो में समानता देख लीजिए। टीएमसी के मुताबिक शाहजहां शेख जैसे लोग रियल लाइफ हीरो हैं। जो कि संदेशखाली में महिलाओं का रेप करते हैं। वहीं रील लाइफ हीरो शत्रुघ्न सिन्हा जैसे लोग हैं जो कि फिल्मों में रेप करते हैं। उन्होंने कहा, टीएमसी की लिस्ट में ज्यादातर बिगड़ैल शामिल हैं। यह इसलिए कह रही हूं क्योंकि उनके खिलाफ केस दर्ज हैं। महुआ मोइत्रा जैसे लोगों को टिकट दिया गया है जिन्हें संसद से निष्कासित कर दिया गया था। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि भविष्य में भी ऐसे ही परिणाम मिलने वाले हैं। बता दें कि आसनसोल सीट से भाजपा ने पवन सिंह को उतारा था। हालांकि उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। उनके फैसले के पीछे की वजह नहीं सामने आई। हालांकि टीएमसी ने उनके गानों और वीडियो के लिए उन्हें घेरना शुरू कर दिया था। वहीं शत्रुघ्न सिन्हा ने पवन सिंह को लेकर कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से उन्हें ठीक से नहीं जानते। बस इतना सुना है कि गायक हैं। बता दें कि शत्रुघ्न सिन्हा दो साल पहले ही टीएमसी में आए हैं। उससे पहले वह 28 साल तक भाजपा में रहे। वह भाजपा के साथ 1991 में जुड़े थे। इसके बाद वह राज्यसभा सदस्य रहे। केंद्र में मंत्री भी रहे। वह पटना साहिब से लोकसभा चुनाव जीते। हालांकि 2014 में मोदी सरकार के बाद उन्हें भाजपा रास नहीं आ रही थी। 2019 में जब पटना साहिब से रविशंकर प्रसाद को उतारा गया तो शत्रुघ्न ने पार्टी से इस्तीफा दिया और कांग्रेस में शामिल हो गए। वह पटना साहिब से चुनाव हार गए। इसके बाद वह टीएमसी में चले गए। शत्रुघ्न सिन्हा अटल सरकार में जहाजरानी मंत्री थे।

बिना कपड़ों के ही ऑस्कर के स्टेज पर पहुंचे जॉन सीना

नई दिल्ली। रेस्लर और हॉलीवुड एक्टर जॉन सीना ने एक हरकत करके पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है. बता दें कि ऑस्कर कहा जाने वाला एकेडमी अवॉर्ड्स एक ऐसा फिल्म पुरस्कार समारोह है जो सिर्फ विजेताओं नहीं बल्कि अन्य कारणों से भी चर्चा में रहता है. विल स्मिथ द्वारा थप्पड़ मारने वाली घटना को कौन भूल सकता है. अब जॉन सीना ने बिना कपड़ो के स्टेज पर आकर सुर्खियां बटोरी है. जॉन सीना, जो अपने हास्यबोध के लिए जाने जाते हैं, पुरस्कार समारोह में मेजबान जिमी किमेल के साथ एक प्लेकार्ड के साथ में मजाकिया अंदाज में शामिल हुए. सभी को आश्चर्यचकित करते हुए, सीना ने अपरंपरागत तरीके से सर्वश्रेष्ठ पोशाक डिजाइन के लिए नामांकित व्यक्तियों की घोषणा करके मजाक को अगले स्तर पर ले लिया. वह मंच पर बिना कुछ पहने पहुंचे, जिससे दर्शक के साथ-साथ बड़े-बड़े स्टार्स हैरान रह गए. प्लेकार्ड के पीछे छिपे जॉन सीना ने दर्शकों के लिए एक यादगार और मनोरंजक क्षण पेश करते हुए विनोदपूर्वक पुरस्कार प्रदान किया. अप्रत्याशित स्टंट ने ऑस्कर समारोह में एक हल्का-फुल्का स्पर्श जोड़ दिया और सीना मध्य भाग में रखे हुए दिखाई दिए और अंततः केंद्र मंच पर पहुंच गए, लेकिन फिर उन्हें थोड़ी सी हिचकी का सामना करना पड़ा ङ्क वह लिफाफा नहीं खोल सके. किसे मिला अवॉर्ड मालूम हो कि 'पुअर थिंग्स' ने सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन का ऑस्कर जीता. बाल और मेकअप, प्रोडक्शन डिजाइन और वेशभूषा के लिए लगातार दो जीत के साथ यह फिल्म उस रात की पहली मल्टीपल ऑस्कर विजेता बन गई. तीन जीतों ने पहले ही योर्गोस लैंथिमोस की फिल्म के लिए इसे एक बड़ी रात बना दिया है और कई बड़े नामांकन आने वाले हैं. इनमें उनके लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और एम्मा स्टोन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार भी शामिल है.

विजय ने तमिलनाडु सरकार से सीएए लागू न करने का किया आग्रह, कानून को बताया अस्वीकार्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने सोमवार को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू करने की घोषणा की। सीएए 2019 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के घोषणापत्र का एक अभिन्न अंग था। भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद संसद ने 11 दिसंबर, 2019 को इसे अधिनियमित किया। अब इस पर साउथ अभिनेता दलपति विजय ने अपनी नाराजगी जाहिर की और इसे अस्वीकार्य बताया है। तमिल अभिनेता और तमिलागा वेट्री कड़गम (टीवीके) प्रमुख थलपति विजय ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 लागू करने के बाद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला बोला। अभिनेता ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम को अस्वीकार्य बताया और तमिलनाडु सरकार से इसे राज्य में लागू नहीं करने का अनुरोध किया है। विजय ने अपनी पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक आधिकारिक बयान साझा किया है। उन्होंने तमिल में लिखा, भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 (सीएए) जैसे किसी भी कानून को ऐसे माहौल में लागू करना स्वीकार्य नहीं है, जहां देश के सभी नागरिक सामाजिक सद्भाव के साथ रहते हैं। नेताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह कानून देश में लागू न हो। अभिनेता ने तमिलनाडु सरकार से यह सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया कि कानून तमिलनाडु में लागू न हो। बयान में कहा गया, नेताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह कानून तमिलनाडु में लागू न हो। बता दें कि 2 फरवरी को, थलपति विजय ने आधिकारिक तौर पर अपनी राजनीतिक पार्टी का नाम तमिलागा वेट्री कजम की घोषणा की।

मारपीट का विवाद सुलझने के बाद साथ आए एल्विश-मैक्सटर्न, बोले- भाईचारा ऑन टॉप

नई दिल्ली । रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी 2' विनर एल्विश यादव और यूट्यूबर मैक्सटर्न उर्फ सागर ठाकुर के बीच का विवाद काफी बड़ा था. पर जो वीडियो वायरल हुआ था, उसमें एल्विश, मैक्सटर्न को बुरी तरह पीटते नजर आए थे, जिसके बाद देशभर में इन्हें ट्रोल्स का सामना करना पड़ा था. आजतक से बातचीत में सागर ने अपना पश्र रखा था. फिर एल्विश लाइव आकर अपनी साइड रखते दिखे थे. मामला बढ़ते-बढ़ते इतना बढ़ गया था कि मैक्सटर्न ने एल्विश के खिलाफ स्नङ्कक कर दी थी. गुरुग्राम पुलिस ने जिसके बाद एल्विश को पूछताछ के लिए बुलाया था. इसके कुछ घंटों बाद ही एल्विश और मैक्रसटर्न ने अपने बीच सुलह कर ली.

एल्विश-मैक्सटर्न के बीच हुई सुलह एल्विश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर मैक्सटर्न के साथ एक फोटो शेयर की, जिसमें दोनों के बीच भाईचारा देखने को मिला. फोटो में दोनों ही मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं. एल्विश ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- एक घर में बर्तन होते हैं, बजेंगे तो सही. भाईचारा ऑन टॉप. फोटो देखकर हर किसी को समझ में आ रहा है कि दोनों के बीच दोस्ती की शुरुआत हो चुकी है. एल्विश और मैक्सटर्न, दोनों के ही फैन्स इस फोटो देखकर काफी खुश हो रहे हैं.

क्या था पूरा मामला? शुक्रवार, 8 मार्च से एल्विश यादव, मैक्सटर्न को पीटने को लेकर ट्रोल हो रहे थे. मैक्सटर्न ने भी उनके खिलाफ गुरुग्राम पुलिस थाने में स्नङ्कक दर्ज करवाई थी. सागर ठाकुर ने एल्विश यादव के खिलाफ गुरुग्राम के सेक्टर 53 थाने में आईपीसी की धारा 147, 149, 323, 506 के तहत एफआईआर दर्ज करवाई थी. हादसे की पूरी कहानी बताते हुए सागर ठाकुर उर्फ मैक्सटर्न ने हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर से मदद की गुहार भी लगाई थी. मैक्सटर्न ने ये भी बताया कि हमले के बाद जब वो स्नङ्कक कराने के लिए पुलिस स्टेशन पहुंचे, तो उनके साथ क्या हुआ. उन्होंने कहा- मैं इतना समझ गया हूं कि अगर आपके पास पैसा है, तो आप स्नङ्कक भी बदल सकते हैं. एल्विश ने जो लोकेशन दी थी. वो उसके घर की थी. मुझे लगा कि उसे पब्लिक लोकेशन पर बुलाना चाहिए था. कुल मिलाकर ये केस शब्दों से जीतना था. 'मैंने पूरी तैयारी की थी. मैंने सोफा वगैरह लगाया हुआ था. सोचा था कि जब एल्विश भाई आएंगे, तो बगल में बैठेंगे. जैसे ही वो आए अटैक करना शुरू कर दिया. बहुत सारे बंदों के साथ आए. उसके साथ जो बंदे आए थे. वो भी उसकी मदद कर रहे थे. जब एल्विश यादव स्टोर में पहुंचे तो उनके साथ 8 से 10 गुंडे थे, जिन्होंने शराब पी हुई थी. सभी ने उन्हें मारना शुरू कर दिया और उनके साथ गाली-गलौच भी की. इस तरह से मदद कर रहे थे कि मैं कुछ नहीं कर पा रहा था. एल्विश ने मुझे घुटनों से नाक पर मारा. कई बार हाथों से मुंह पर मारा. फिर फोन से मेरे स्पाइन पर मारा. आपको पता है कि अगर स्पाइन टूटता है, तो आप जिंदगी भर के लिए अपाहिज हो सकते हो. मुझे बहुत बार जान से मारने की धमकी दी.'

कमजोर ग्राहकी से साबूदाना, खोपरा गोला और बूरे के दाम घटे, हल्दी मजबूत

इंदौर। इस बार साबूदाने के दाम पिछले साल की तुलना में कम होने के बावजूद महाराशिवरात्रि की मांग कुछ कमजोर रही। बाजार में साबूदाना का अच्छा खासा स्टाक मौजूद है, जिसके चलते कुछ व्यापारी भावों में कटौती कर बिकवाली कर रहे हैं। इसके चलते साबूदाने के दामों में 100 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि व्यापारिक धारणा इन दामों पर और मंदी की संभावना अब कम है। कीमतें निम्न स्तर पर पहुंच गई है, जिसके चलते स्टाकिस्ट मैदान में आ सकते हैं।

रायल रतन सच्चामोती (1 किलो) 7100, रायलरतन सच्चामोती (500 ग्राम) 7160 व लूज 6625, रायल सच्चामोती पोहा एक किलो 5400 व 35 किलो पैकिंग में 4800, सच्चामोती मोरधन (आधा किलो) 9600, सिंघाड़ा छोटा 80-90, बड़ा 105-110 रुपये। इधर, खोपरा गोले में भी लेवाली कमजोर रहने से भाव में गिरावट रही। खोपरा गोला पांच रुपये घट गया। इधर, बूरे में भी ग्राहकी जैसी होना चाहिए वैसी नहीं है जिससे बूरे के दामों में भी गिरावट दर्ज की गई। वहीं हल्दी में स्टाकिस्टों की सक्रियता रहने और आवक मांग के अनुरूप नहीं होने से भाव मजबूत बोले जा रहे हैं। नारियल में कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई खास परिवर्तन नहीं देखा गया। नारियल 120 भरती 1550-1600, 160 भरती 1550-1600, 200 भरती 1650-1700, 250 भरती 1700-1750 रुपये प्रति बोरी के भाव रहे। खोपरा गोला बक्सा 115-135 कट्टे 106-108 रुपये प्रति किलो और खोपरा बूरा 2350-4400 रुपये प्रति (15 किलो) के भाव रहे। शकर में धीरे-धीरे ग्राहकी का दबाव बढ़ने लगा है जिससे शकर के दाम मजबूत बोले जा रहे है। शकर नीचे में 3710 तथा ऊपर में 3780 रुपये प्रति क्विंटल तक बोली गई। शकर की आवक आठ गाड़ी की बताई गई।

शकर एवं गुड़ के दाम - शकर 3710-3780, एम-शकर 3790-3820, गुड करेली कटोरा 3700-3800, लड्डू 3900-4000, गिलास एक किलो 4600-4800, भैली 3500-3600 रुपये क्विंटल। नारियल - नारियल 120 भरती 1550-1600, 160 भरती 1550-1600, 200 भरती 1650-1700, 250 भरती 1700-1750 रुपये प्रति बोरी और खोपरा गोला बक्सा 115-135, कट्टे 106-108 रुपये प्रति किलो और खोपरा बूरा 2350-4400, नारियल-बूरा अल्पाहार (1 किलो)2799 प्रति 15 किलो ।

फलाहारी के दाम - साबूदाना सच्चासाबु एगमार्क (500 ग्राम) 7420, सच्चासाबू खीरदाना 7290, सच्चासाबू चीनीदाना 7,740, सच्चासाबू फूलदाना 8110, साबूदाना चक्र एगमार्क 7130, शिवज्योति (1 किलो) 7040, गोपाल लूज (25 किलो) 6620, कुकरीजाकी मोरधन (500 ग्राम) 9770 प्रति क्विंटल। रायल रतन साबूदाना (1 किलो) 7300, रायलरतन (500 ग्राम) 7360 व रायलरतन लूज 6800, रायल सच्चामोती पोहा एक किलो 5450 व 35 किलो पैकिंग में 4800, रायलरतन मोरधन (आधा किलो) 10500 रुपये।

पूजन सामग्री - केसर 180-188 ब्रांडेड 210-213, देशी कपूर 550 से 750, ब्रांडेड कपूर 750 से 800, पूजा बादाम 110 से 125, बेस्ट 175 से 190, पूजा सुपारी 475, अरीठा 130, सिंदूर (25 किलो) 7400 रुपये।

मसालों के दाम - हल्दी निजामाबाद 1750 से 200, हल्दी लालगाय 260-265 कालीमिर्च गारबल 555 से 565 एटम 575 से 580, मटरदाना 590 से 625, जीरा ऊंझा 340 से 350, मीडियम 380 से 390 बेस्ट 410 से 425 सौंफ मोटी 95 से 125, मीडियम 175 से 225, बेस्ट 355 से 375, बारीक 350-400 , लौंग मीडियम 850 से 900, बेस्ट 950-965 सौंठ 295 से 325 बेस्ट 375 से 400, दालचीनी 245-255, जायफल 580-650, बेस्ट 700 जावत्री 1900-1950, बड़ी इलायची 1325 से 1374 बेस्ट 1450 से 1650, पत्थरफूल 351 से 375, बेस्ट 475, बाद्यान फूल 550 से 575, बेस्ट 750-775 शाहजीरा खर 350 से 360, ग्रीन 600-611, तेजपान 91-101, नागकेसर 750 से 775, धोली मूसली 2100 से 2250, सिंघाड़ा छोटा 90-105 बड़ा 115 हींग वनदेवी दाना751- 3450, पाउच में 10 ग्राम 3530, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 875-925 , हरी इलायची 1850-1950 मीडियम बोल्ड 2050 से 2150 बोल्ड 2250-2400 बेस्ट ए बोल्ड 2450-2650 और सफेद तिल्ली 178-195 बेस्ट 200-220 रुपये।

सूखे मेवों के दाम - काजू डब्ल्यू 240 नंबर 760-800, काजू डब्ल्यू 320 नंबर 680 से 700, काजू डब्ल्यू 300 नंबर 670-680, काजू जेएच 590-600 टुकड़ी 530-550, बादाम 550-570 बेस्ट 640-660 आस्ट्रेलियन बादाम बेस्ट 625-750 खसखस मीडियम 650-725 बेस्ट 1125-1225 तरबूज मगज 750-760 खारक 115-135 मीडियम 145 से 175 बेस्ट 225 से 250 ए. बेस्ट 301 किशमिश कंधारी 420 से 470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140 से 150 बेस्ट 170 से 190 , चारोली 1485 से 1550, बेस्ट 1600 मुनक्का 450 से 550 बेस्ट 650 से 900, अंजीर 750 से 900 बेस्ट 1150 से 1450 मखाना 650 से 785, मीडियम 825 से 875 बेस्ट 900-925, पिस्ता 1300-1450 ईरानी 1500-1600, नमकीन पिस्ता 850-1000 अखरोट 450 से 500, बेस्ट 550 से 650, अखरोट गिरी 700 से 1050 जर्दालू 250 से 350, बेस्ट 450 से 550 गोंद नाइजीरिया 180-250, गोंद धावड़ा 400-700

आवक बढ़ने से काबुली चना 400 रुपये टूटा, मसूर और तुवर में भी गिरावट

इंदौर। इस साल काबुली चने का बंपर उत्पादन होने की संभावना सच होती दिख रही है। महाराशिवरात्रि पर्व की वजह से पिछले तीन दिनों से इंदौर सहित प्रदेश की अधिकांश मंडियों में काबुली चने की आवक कम हो रही थी। तीन दिन बाद सोमवार को प्रदेश की मंडियों में काबुली चने की भरपूर आवक देखने को मिली। वहीं लेवाली बेहद सुस्त होने के कारण काबुली चने मे करीब 400 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गई। व्यापारियों का कहना है कि मौसम में परिवर्तन की वजह से काबुली चने की फसल इस वर्ष देरी के कारण इसकी आवक अभी भी पिछले साल से कम हैं। बंपर उत्पादन को देखते हुए आवक बढ़ने की उम्मीद में खरीदी फिलहाल रुकी हुई है। पिछले पांच वर्षों का औसत देखे तो मार्च में लगभग 12000 टन काबुली निर्यात होता है। 2023 मार्च में 27518 टन और मार्च 2022 में निर्यात 12527 टन था। मार्च 2024 में लगभग 12000 टन निर्यात सौदे होने का अनुमान है। जानकारी के अनुसार अभी तक निर्यात सौदों की लोडिंग नहीं हुई है। 11-22 मार्च तक ही व्यापार चलेगा फिर होली और मार्च अंत के अवकाश हो जाएंगे। यानी निर्यातकों की अगले 11 दिनों में 400-500 कंटेनर काबुली चने की मांग निकल सकती है। ऐसे में निचले स्तरों पर शार्ट कवरिंग और मांग में बढ़ोतरी होने पर घटते दामों मे रुकावट आ सकती है। कंटेनर में डॉलर चना बढ़कर 40/42 11100, 42/44 10900, 44/46 10700, 58/60 9300, 60/62 9200, 62/64 9100 रुपये क्विंटल पर पहुंच गया। दूसरी ओर चना कांटे में भी ग्राहकी बेहद सुस्त होने और आवक अच्छी होने के कारण भाव में नरमी रही। काबुली चना 50 रुपये घटकर नीचे में 5850 तथा ऊपर में 5900 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। तुवर दाल में भी कारोबार बेहद कमजोर होने से मिलों की तुवर खरीदी में रुचि कम है जिससे तुवर के दामों में नरमी रही। सोमवार को तुवर में करीब 100 रुपये टूट गए वहीं तुवर दाल में करीब 200 रुपये प्रति क्विंटल की मंदी दर्ज की गई। मसूर में आयातकों की बिकवाली का दबाव रहने से भाव में आंशिक गिरावट रही। अन्य दाल-दलहन में कारोबार सामान्य रहा। भाव में स्थिरता रही। चना कांटा 5850-5900, विशाल 5250-5600, डंकी 5300-5400, मसूर 5850-5900, तुवर महाराष्ट्र सफेद 10100-10200, कर्नाटक 10300-10400, निमाड़ी तुवर 8700-9600, मूंग 8800-9000, बारिश का मूंग नया 9200-10000, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8800-9200, मीडियम 7000-8000, हल्की उड़द 3000-5000 रुपये क्विंटल।

दालों के दाम - चना दाल 7600-7700, मीडियम 7800-7900, बेस्ट 8000-8100, मसूर दाल 7150-7250, बेस्ट 7350-7450, मूंग दाल 10400-10500, बेस्ट 10600-10700, मूंग मोगर 11100-11200, बेस्ट 11300-11400, तुवर दाल 11900-12000, मीडियम 12900-13000, बेस्ट 13700-13800, ए. बेस्ट 14700-14800, पैक्ड तुवर दाल नई 14800, उड़द दाल 10800-10900, बेस्ट 11000-11100, उड़द मोगर 11000-11200, बेस्ट 11300-11400 रुपये प्रति क्विंटल ।

इंदौर चावल भाव - दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-12500, तिबार 10000-11000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9500, मिनी दुबार 7500-8500, मोगरा 4500-7000, बासमती सेला 7000-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5000, परमल 3200-3400, हंसा सेला 3400-3600, हंसा सफेद 2800-3000, पोहा 4300-4700 रुपये क्विंटल।

इंदौर, उज्जैन और रतलाम सराफा बाजार में सोना हुआ और महंगा, ये हैं आज के भाव

इंदौर। अमेरिकी अर्थव्यवस्था से मिल रहे संकेतों ने सोने के दाम में एकाएक तेजी का माहौल बना दिया है। अमेरिका में बेरोजगारी के आंकड़े चिंता बढ़ा रहे हैं। दो साल में सबसे कमजोर आंकड़े जारी हुए हैं। अमेरिकी विश्लेषक आने वाले समय में सोने को 2200 डालर के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं। इस बीच अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में सोने की कीमतें रिकार्ड ऊंचाई की ओर अग्रसर है। सोमवार को कामेक्स पर सोना 2200 डालर के नजदीक 2188 डालर प्रति औंस पर कारोबार करता देखा गया। इसके चलते घरेलू बाजारों में सोने के दाम रोजाना नए-नए रिकार्ड तोड़ रहा है। सप्ताह के पहले ही दिन सोमवार को इंदौर में

सोना 100 रुपये बढ़कर 65100 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले सोना इतने ऊंचे दामों पर कभी नहीं बिका। दरअसल, अमेरिका से आ रही खबरों से अनुमान लगाया जा रहा है कि फेडरल रिजर्व जून से ब्याज कटौती शुरू कर सकता है। भू-राजनैतिक परिस्थितियां भी सोने के लिए मुफीद बताई जा रही है। दूसरी ओर चांदी में कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई खास परिवर्तन नहीं रहा। कामेक्स पर सोना ऊपर में 2188 तथा नीचे में 2173 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 24.45 व नीचे में 24.23 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। सोना कैडबरी रवा नकद में 65100 रुपये, सोना (आरटीजीएस) 67350 रुपये तथा सोना (91.60 कैरेट) 61690 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। शनिवार को सोना 65000 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी चौरसा 73200 रुपये, चांदी टंच 73350 रुपये तथा चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 74300 रुपये प्रति किलो बोली गई। शनिवार को चांदी 73200 रुपये पर बंद हुई थी।

मांग के मुकाबले सोया और पाम तेल की कमी होने से दाम बढ़े

इंदौर। घरेलू बाजार में सोयाबीन तेल की शार्टेज और अच्छी मांग की वजह से भाव में तेजी जारी रही। सोमवार को सोयाबीन तेल इंदौर 10 रुपये बढ़कर 970-972, पाम तेल 985 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। मूंगफली तेल में भी लेवाली समर्थन अच्छा मिलने से भाव में तेजी रही। मूंगफली तेल इंदौर 10 रुपये बढ़कर 1480-1500 रुपये प्रति दस किलो पर पहुंच गया।स्पोमा के अनुसार 1-10 मार्च के बीच पाम तेल के उत्पादन में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की संभावाना है। इधर, एमपीओबी की रिपोर्ट से पहले केएलसीई सतर्क देखने को मिली है। केएलसीई 39 अंक प्लस पर कारोबार करती देखा गया। पाम और सोया तेल चीन के डालियन एक्सचेंज में लगभग सपाट ट्रेड पर कारोबार करते देखे गए। सीबीओटी सोया तेल भी स्थिर रही। पहले सत्र में केएलसीई में सीमित दायरे का कारोबार दिखेगा। वहीं 10 बजे आने वाली एमपीओबी रिपोर्ट के बाद दूसरे सत्र में इसका असर दिखेगा। यदि एमपीओबी रिपोर्ट में मलेशिया पाम तेल स्टाक छह प्रतिशत से ज्यादा गिरता है तो ही एमपीओबी का कोई असर दिखेगा। मलेशिया पाम तेल स्टाक में गिरावट और कमजोर उत्पादन का काफी हद तक असर केएलसीई में आ चुका है। लूज तेल के दाम - (प्रति दस किलो के भाव) मूंगफली तेल इंदौर 1480-1500, मुंबई मूंगफली तेल 1490, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 970-972, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 920-925, इंदौर पाम 985, मुंबई सोया रिफाइंड 970, सोया डीगम 915, मुंबई पाम तेल 920, राजकोट तेलिया 2320, गुजरात लूज 1450, कपास्या तेल इंदौर 920 रुपये।

खेल

हंगामे के बाद 2 मैचों में उतरीं पहलवान विनेश फोगाट, एक में हारी तो एक मिली जीत

पटियाला । इसी साल होने वाले पेरिस ओलंपिक 2024 को लेकर भारत में इस समय कुश्ती सेलेक्शन को लेकर ट्रायल्स हो रहे हैं. इस दौरान पटियाला में महिला रेसलर विनेश फोगाट ने सोमवार को जमकर हंगामा किया. वो दो वेट कैटेगरी में उतरना चाहती थीं. हालांकि काफी हंगामे के बाद विनेश को दो मुकाबलों में उतरने की इजाजत मिली. उन्होंने ट्रायल्स में महिलाओं के 50 किग्रा और 53 किग्रा वेट कैटेगरी में मुकाबले खेले. मगर इस दौरान उन्हें 50 किग्रा वेट कैटेगरी में जीत मिली. 53 किग्रा वेट कैटेगरी में हार झेलनी पड़ी जबकि 53 किग्रा वेट कैटेगरी में विनेश को हार झेलनी पड़ी. उन्हें सेमीफाइनल में 0-10 के अंतर से हार मिली. मगर 50 किग्रा वेट कैटेगरी में जीत के बाद अब विनेश ने एशियन ओलंपिक क्वालिफायर के लिए एंट्री मिल गई है. उन्होंने 50 किग्रा वेट कैटेगरी के फाइनल में शिवानी को हराया

है. बता दें कि इस दोनों मुकाबले से ठीक पहले काफी देर तक हंगामा चला था. विनेश दोनों कैटेगरी में मुकाबले खेलना चाहती थीं. वो चाहती थीं कि 53 किग्रा वेट कैटेगरी के ट्रायल्स ओलंपिक से ठीक पहले हों, ताकि उन्हें टिकट हासिल करने का मौका मिले. मगर ऐसा नहीं हो सका. इसके बाद विनेश फोगाट ने हंगामा कर दिया. वो अधिकारियों से लिखित आश्वासन मांग रही थीं कि 53 किलो भारवर्ग के आखिरी ट्रायल ओलिंपिक से पहले होंगे. इसी के चलते ट्रायल्स के दौरान विनेश ने महिलाओं के 50 किलो और 53 किलो वेट कैटेगरी में ट्रायल शुरू नहीं होने दिए. इस देरी के कारण बाकी पहलवान परेशान नजर आए.

गुजरात जाएंट्स ने यूपी वारियर्ज को 8 रनों से हराया, बेकार गई दीप्ति शर्मा की तूफानी पारी

नई दिल्ली । विमेंस प्रीमियर लीग के 18वें मुकाबले में गुजरात जाएंट्स ने यूपी वारियर्ज को 8 रन से हरा दिया है। दीप्ति शर्मा की तूफानी पारी के बावजूद यूपी वारियर्ज को रोमांचक मुकाबले में हार का मुंह देखना पड़ा। वहीं अंक तालिका में सबसे नीचे चल रही गुजरात की टीम के लिए यह जीत प्लेऑफ की उम्मीदों को कायम रखने के काम आई। गुजरात जाएंट्स से मिले 153 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए यूपी वारियर्ज की टीम 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर सिर्फ 144 रन ही बना सकी। यूपी वारियर्ज के लिए दीप्ति शर्मा ने तूफानी खेली। दीप्ति ने 60 गेंदों में नाबाद 88 रन की पारी खेली। वहीं दीप्ति को पूनम खेमार का बेहतरीन साथ मिला। पूनम भी 36 गेंदों पर 36 रनों

बनाकर नाबाद रहीं। हालांकि इन दोनों के अलावा यूपी के लिए कोई दूसरा बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। गुजरात जाएंट्स के लिए शबनम एमडी शकील ने 3 विकेट चटकाए। जबकि कैथरीन ब्रेयस और एश्ले गार्डनर को 1-1 सफलता मिली। इससे पहले, गुजरात जाएंट्स के लिए कप्तान बेथ मूनी और लौरा वूलवार्ट ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने तेज गति से रन बनाते हुए टीम के लिए एक बड़े स्कोर का आधार सेट किया। बेथ मूनी ने 74 रनों की और लौरा वूलवार्ट ने 43 रनों की पारी खेली। इन दोनों के अलावा सिर्फ एश्ले गार्डनर ही 15 रन का योगदान दे सकीं। यूपी की ओर से सोफी एस्केलेस्टन ने तीन और दीप्ति शर्मा ने दो विकेट अपने नाम किये। जबकि राजेश्वरी गायकवाड़ और चमारी आटापट्टू को एक-एक कामयाबी मिली। बता दें कि लीग में दिल्ली कैपिटल्स के अलावा मुंबई इंडियंस प्लेऑफ के लिए क्वॉलीफाई कर चुकी है। जबकि बाकी 1 स्पॉट के लिए 3 टीमें दावेदार हैं। लेकिन इन 3 टीमों में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की दावेदारी सबसे मजबूत है।

भारतीय टीम को बड़ा झटका, वर्ल्ड कप से बाहर हुआ ये दिग्गज खिलाड़ी

नई दिल्ली- टीम इंडिया ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 4-1 से जीत हासिल की थी. अब भारतीय खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में भाग लेने वाले हैं, जिसकी शुरुआत 22 मार्च से होगी. आईपीएल 2024 की शुरुआत से पहले गुजरात टाइटन्स को बड़ा झटका लग चुका है. तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आगामी आईपीएल में भाग नहीं ले पाएंगे. शमी की पिछले महीने टखने की सर्जरी हुई थी. दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स के लिए अच्छी खबर सामने आई है. ऋषभ पंत आईपीएल 2024 के जरिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं. पंत को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी से ग्रीन सिग्नल मिल चुका है. पंत दिसंबर 2022 में एक भीषण कार दुर्घटना के बाद से खेल से दूर हैं. ऋषभ पंत, मोहम्मद शमी और केएल राहुल को लेकर भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के सचिव जय शाह ने बड़ा अपडेट दिया है. शाह ने बताया कि टखने की सर्जरी से उबर रहे शमी इस साल सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के दौरान वापसी कर सकते हैं. भारत सितंबर में दो टेस्ट और तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों के लिए बांग्लादेश की मेजबानी करेगा. शमी ने भारत के लिए अपना पिछला मैच क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 में खेला था.

सतना और मैहर जिले के पत्रकारों की प्रशिक्षण कार्यशाला

पत्रकारों को बताए गए Press Act और पत्रकारिता के आचरण के मानक

श्री निवास मिश्रा। सिटी चीफ
मैहर, पत्रकारिता का क्षेत्र लोक सेवा, जन सेवा, अनिवार्य सेवा का नहीं अपितु पत्रकारिता समाज की आवश्यकता और लोकोपयोगी सेवा का क्षेत्र है। समाज को सर्वोपरि रखते हुए सिद्धांत और आचार नीति के अनुरूप पत्रकारिता की जानी चाहिए। इस आशय के विचार पत्रकारिता क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों ने रविवार को जिला पंचायत सभागार सतना में मैहर और सतना जिले के पत्रकारों की प्रशिक्षण कार्यशाला में व्यक्त किये।जनसम्पर्क संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार ''प्रेस एक्ट और पत्रकारिता के आचरण के मानक के संबंध में व्याख्यान'' विषय पर जिला जनसम्पर्क कार्यालय सतना के तत्वाधान में आयोजित पत्रकार प्रशिक्षण कार्यशाला में भारतीय प्रेस परिषद द्वारा निर्धारित पत्रकारिता के आचरण के मानक, प्रेस से संबंधित कानून, पत्रकारिता में उत्तम आचरण विशिष्ट मुद्दों पर दिशा-निर्देश के बारे में गहन प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ श्री रमेन्द्र कुमार पाण्डेय ने कहा कि संविधान के मौलिक अधिकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत पत्रकारिता की जाती है। पत्रकारिता के मूल्य और आदर्श को जीवन मूल्यों की तरह बचाये रखना जरूरी है।उन्होंने कहा कि पत्रकारों को विशद ज्ञान होना चाहिए साथ ही

अध्ययन और सीखने की निरंतरता भी होनी चाहिए। क्रमबद्ध लेखन को भी पत्रकारिता कहा जा सकता है। कलम में संवेदनशीलता भी होती है और वह कठोर प्रहार भी करती है। पत्रकारिता में चरित्र उत्तम होना चिहए। पत्रकारिता के आदर्श और सिद्धांतों का पालन करना चाहिए।पत्रकारिता के आचरण के मानकों की जानकारी देते हुए विषय विशेषज्ञ डॉ. संजय पयासी ने कहा कि समाज को सर्वोपरि रखते हुए पत्रकारिता की जानी चाहिए। उन्होंने पावर पाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से सिद्धांत और आचार नीति, विशिष्ट मुद्दों पर दिशा-निर्देश, प्रेस से संबंधित कानून, प्रेस परिषद के अधिकार, व्यवहार कर्म तथा प्रक्रियायें और पत्रकारिता में उत्तम आचरण के संबंध में विस्तार पूर्वक व्याख्यान दिया। उन्होंने व्यवहारिक पत्रकारिता के दायरे में भाषा प्रस्तुतिकरण, चयन और महत्व, विज्ञापन और उनका प्रभाव, विज्ञापन से हित-अहित, व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के समाचार, व्यवसायिक कदाचार और संपादक की भूमिका, संवेदनशील विषयों पर समाचार संकलन के मापदण्ड, व्यवसायिक प्रतिद्वंदिता और उसके गुण-दोष के बारे में विस्तृत जानकारी दी।संभागीय जनसम्पर्क अधिकारी रीवा उमेश तिवारी ने कार्यशाला की प्रस्तावना और उद्देश्यों की जानकारी देते हुए वर्तमान परिदृश्य में पत्रकारिता के सिद्धांतों का अनुपालन एवं राज्य शासन द्वारा पत्रकारों के कल्याण और सुविधाओं के संबंध में किये गये प्रयासों की जानकारी दी।वरिष्ठ पत्रकार अशोक शुक्ला ने पत्रकारिता के व्यवहारिक अनुभव पर प्रकाश डालते हुए सोशल मीडिया और समाचारों की प्रमाणिकता के संबंध में जानकारी दी।जिला जनसम्पर्क अधिकारी राजेश सिंह ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सतना और मैहर जिले के पत्रकारों की कार्यशाला में सहभागिता पर आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में खुली चर्चा के दौरान पत्रकारों ने विषय विशेषज्ञों से अपनी शंका का समाधान भी किया। कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण से हुआ। एक दिवसीय कार्यशाला में सतना एवं मैहर जिले के सभी प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रतिनिधि, जनसम्पर्क विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

7, 8 एवं 09 मार्च को संपन्न हुआ 49वा उस्ताद बाबा अलाउद्दीन खां संगीत समारोह

18 वर्षीय देवांश मिश्रा मैहर ने दी उस्ताद बाबा अलाउद्दीन खां को स्वरांजली।

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ
मैहर, 49वें उस्ताद बाबा अलाउद्दीन खां संगीत समारोह 2024, खेल मैदान मैहर में दिनांक ङ्क 7,8 एवम 09/03/2024 को संपन्न हुई। जिसमे दिनांक 08/03/2024 को शास्त्रीय युवा गायक देवांश मिश्रा मैहर को अपने गुरु श्री संजय देवले जी ग्वालियर की कृपा एवम आशीर्वाद से बाबा के प्रतिष्ठित मंच पर शास्त्रीय गायन प्रस्तुत कर हाजिरी लगाने का सौभाग्य स्वरंजलि स्वरूप प्राप्त हुआ , इस दौरान देवांश के मैहर के गुरु डा. श्री राजेंद्र प्रसाद जी शर्मा (मैहर) भी उपस्थित रहे । देवांश ने अपने गायन में राग मालकौंस के अंतर्गत बड़ा ख्याल में पग लागन दे ....., तथा छोटा ख्याल में मैं तो पिया संग लर पछतानी..... , तथा अंत में

राममय वातावरण स्वरूप राम भजन कमल नयन वाले राम .....की शानदार प्रस्तुति दी। लोगो ने देवांश के गायन को खूब सराहा, उसके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किए, दिनांक 09/03/2024 को भी देवांश ने पुन: कथक नृत्य के साथ देवी स्तुति एवम ठुमरी गायन की शानदार प्रस्तुति दी, जिसे लोगो ने खूब सराहा।

बड़वानी के राजपूर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा एवं संरक्षण समिति के तत्वाधान में हुआ आयोजन

अशोक राठौर। सिटी चीफ
बड़वानी, राजपूर नगर के नगर परिषद के मांगलिक भवन में आज दिनांक 11/03/2024 कोमनाया गया जिसमें नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शिखा विजय अग्रवाल मुख्यअतिथि एवं विशेष अतिथि श्रीमती आशा कामटे कार्यक्रम कीअध्यक्षता महिला विकास अधिकारी नीता जैन ने की जिसमे अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार जिला अध्यक्ष श्रीमती संगीता मंडलोई ने कार्यक्रम के अनुसारअतिथियों के द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने पर श्रीमती अनार सी बाई मुजाल्दे श्रीमती सुनीता बघेल श्रीमती ज्योति लोनारे श्रीमती कमला जमरे श्रीमती रीता सूर्यवंशी को शील्ड और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया नारी तू अबला नहीं अपितु साबला है जो लोग समझते नहीं उन्हें समझना है की नारी कोई चीज नहीं है जो बाजार से खरीदी

जाए वर्तमान समय में नारी आकाश की ऊंचाइयों को छू रही है और पुरुष से कंधे से कंधा मिलाकर उनके अनुरूप सहयोग दे रही है हमारे देश के आजादी के बाद से महिलाओं का दमन किया जाता है इस आधुनिक युग में आज नारी को आत्मीय सम्मान प्राप्त हुआ है जो शासन की योजनाओं एवम् स्वयम की जागृति की देन है मुख्यअतिथि शिखाअग्रवाल ने मानवअधिकार के प्रति जागरूक होने के साथ समिति द्वारा सहयोग करने का आश्वासन दिया कार्यक्रम का संचालन शीतल पंडित और सुनीता गुप्ता ने किया मानवाधिकारसमिति सदस्य सरोजगुप्ता, गायत्री कर्मा के साथ बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्तिथ थी कार्यक्रम का आभार ज़िलासचिव साधना गुप्ता नें किया।

शहडोल में नकाबपोश चोरों की कलाकारी

हर दिन चटकाए जा रहे ताले, जनता हुई त्रस्त

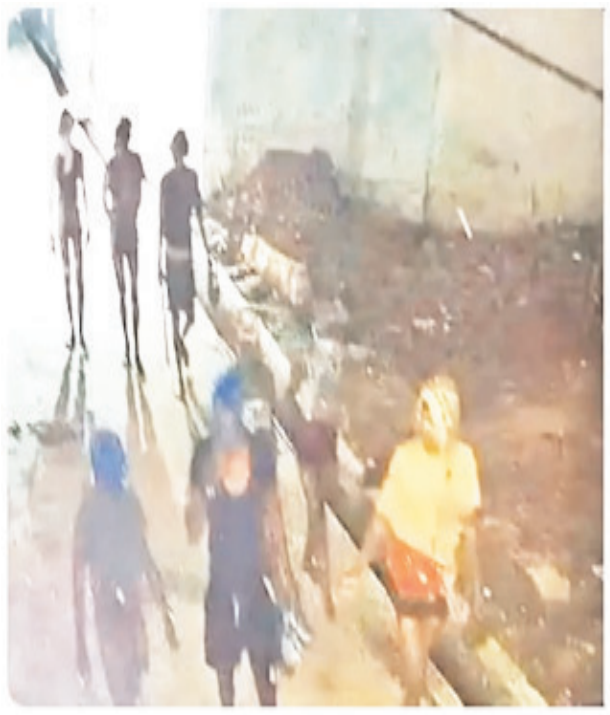

शहडोल, शहडोल संभाग मुख्यालय का पांडवनगर जहां शत-प्रतिशत शासकीय अफसर निवासरत है जिनके जिम्मे जनता की जान-माल की हिफाज़त करना है उनकी ही कालोनी में हर दिन सेंधमारी हो रही है अब तो चोर उचक्कों को भी पता चल गया है आला ?अफसरान रील बनाने में व्यस्त हैं, अब हाथ साफ करने में कोई जोखिम नहीं। बीते दिनों कल्याणपुर में एक मकान में हाथ साफ करने वाले चोरों ने घर मालिकों में बच्चों महिलाओं इत्यादि को बंधक बनाकर लूट-पाट करते हुए सीसीटीवी फुटेज में तो नज़र आए लेकिन आज तक नकाबपोश बदमाश पुलिस डायरी में अज्ञात है वहीं पांडवनगर सरस्वती स्कूल से सटे हुए मार्ग पर से चोरों डकैतो की फौज का सैकड़ों वारदात के बावजूद बेधड़क आना जाना जारी है वहीं इनकी चोरियों की दिन-ब-दिन बढ़ती वारदात के अनुसार यद्यपि इसी तर्ज़ पर चोरियों जारी रही तो कहना मुश्किल होगा जिला मुख्यालय का कोई सीनियर सिटीजन, महिलाएं और बच्चे सुरक्षित नहीं है आधुनिक हथियार से लैश बदमाश लगातार गच्चा देकर भाग रहे है, और जिले की नाकामियों पर पर्दा दारी करने वाली पुलिस अगली घटना के इंतजार में हैं जबकि मामले में बीट प्रभारी से लेकर जिम्मेदार अफसरों देर रात की बंद पैट्रोलिंग की नब्ज़ टटोलनी चाहिए।

जनवरी की शुरुआत में हुई वारदात.... जनवरी की शुरुआत से ही कबाड़ी और भू-माफिया की सांठ-गांठ में एक कलमकार की आवाज़ दबाने के प्रयास में एक दर्जन से अधिक नकाबपोश बदमाशों ने पत्रकार मोहम्मद मुनीर की हत्या करने के उद्देश्य से टार्च, लाठी, राड़ से लैश होकर हमला कर दिया गनीमत इस बात की रही की वो किसी तरह बच गए जिसका आज दिनांक तक माइक वन? के कुशल दिशानिर्देश के बावजूद कोतवाली पुलिस को कोई सुराग हाथ नहीं लगा। वहीं जनवरी में ही? ओमकार साकेत निवासी पांडव नगर ने भी खुले हुए घर से चोरी गई सामाग्री के संबंध में थाना कोतवाली में शिकायत कर बताया है कि कार्यालय घर में ताला बंद करके चला गया था शाम 4=15 बजे श्री पाण्डेयजी (पूर्व में बगल में रहते थे) द्वारा मुझसे मिलने के लिये पुलसे तब घर आकर घर का दरवाजा अपने चावी से खोला अंदर तो सारे सामान, कपडे बिखरे पड़े थे आलमारी खुली थी। और पीछे का दरवाजा खुला था आतमारी के अंदर रखा सोने का प्रेसलेट (1) तोला) अंगूठी-(4ग्राम) अंदर रखा नगद राशि रु. 9000/- गायब था।

रविवार की हुई घटना पर प्रकाश.... कोतवाली थाना क्षेत्र के ही पांडवनगर में स्थित एक प्रोफेसर के घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। रविवार सुबह जब प्रोफेसर अपने घर पहुंचे तो उन्हें घर का ताला टूटा हुआ मिला। घर में रखे सोने और चांदी के जेवरात व नगदी भी नहीं थे मिली जानकारी के मुताबिक प्रोफेसर डॉक्टर दिलीप तिवारी शंभूनाथ शुक्ला में पदस्थ हैं। वह शनिवार शाम अपने रिश्तेदारी में गए हुए थे। इस दौरान घर में कोई नहीं था। अज्ञात चोर शनिवार रात को घर का ताला तोड़कर अंदर घुसे और अलमारी को तोड़कर उसमें रखे सोने चांदी के जेवरात व नगदी लेकर फरार हो गए।

लगातार बढ़ती चोरी की वारदात.... सोमवार बुढार थाना क्षेत्र के बुढार धनपुरी मार्ग पर स्थित न्यू डिजिटल मॉल में बीते रात्रि एक अज्ञात चोर कंबल ओढ़कर मॉल पहुचा। मॉल में लगे सटर पर काली पन्नी का एक आड़ बनाया, जिसके बाद डुप्लीकेट चाबी से मॉल में लागे लॉक को खोलकर मॉल के अंदर प्रवेश कर सीधे कैश काउंटर पहुंचा जहा का लॉक तोड़कर काउंटर में रखे 1 लाख 60 हजार रुपए लेकर रफूचक्कर हो गया।

इसी तरह बीते दिनों कल्याणपुर में 8 चोरों के गिरोह ने घर का गेट तोड़कर मारपीट कर लाखों की नगदी और जेवर लूट लिए थे. शहर में चोरी की इतनी वारदात होने के बावजूद पुलिस के हाथ सीसीटीवी फुटेज के खंगालने पर हाथ खाली ही है नागरिकों की मानें तो पुलिस की मिली छूट उक्त सभी घटनाक्रम की बड़ी वजह है।

कौन है नकाबपोश बदमाश गैंग.... सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शहर में ऐसे कई टुच्चे है जिनके पास कोई रोजी, रोजगार है नहीं लेकिन इन्होंने शौक करोड़पतियों वाले पाल कर रखे हुए हैं, यह शराब से लेकर स्मैक तक की तस्करी तो करने में माहिर तो हैं ही।? लेकिन ताले चटकाने वाली परम्परा गुरु भाई के इशारे पर जारी रखें हुए हैं इनके पास मंहगे मंहगे मोबाइल आधुनिक गैजेट्स ब्रांडेड कपड़े, स्मार्ट वॉच, नाइक कैप्स, जार्डन कंपनी के शूज़ और तो शराब सबाब कबाब अलग से जाने कैसे अब यह सब जिले की पुलिस फौज और संबंधित बीट प्रभारी को भी नहीं दिख रहा है समझ से परे है। ऐसे लोगो को बाकायदा चिन्हित कर पतासाजी करनी चाहिए, अमूमन आधुनिक युग में सभी चोर उचक्कों ने बेब सीरीज देख देखकर पुलिस जांच को कैसे उलझाए रखना है बाखूबी पता है लेकिन कहावत है चोर के दिन थोर के।। अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार अफसरों को जनता की गाढ़ी कमाई पर हाथ साफ करने वाले लोगो पर अब तक शिकंजा कसने की तैयारी करते हैं।

कटनी शहर महिला कांग्रेस द्वारा नारी न्याय सम्मेलन का आयोजन

महिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनी वर्मा के नेतृत्व में हुआ आयोजन

सुनील यादव। सिटी चीफ
कटनी, महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती अलका लांबा जी के निर्देश एवं प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल के आदेश अनुसार शहर कटनी महिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनी वर्मा के नेतृत्व में कटनी लोकसभा प्रभारी संगीता सिंह जी की उपस्थिति में नारी न्याय सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रो में काम करने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया इस कार्यक्रम मे पूर्व कटनी महिला थाना प्रभारी एवं वर्तमान में चंदिया महिला थाना प्रभारी मंजू शर्मा जी,सामाजिक कार्यो में निरंतर सक्रिय समाजसेवी एवम अधिवक्ता अंजू रेखा तिवारी जी,कटनी प्रजापति ब्रह्म कुमारी की संचालिका एवम प्रमुख बी.के.लक्ष्मी बहन जी, आंगनबाड़ी समूह की जिलाध्यक्ष एवम समाजसेवी ममता रजक जी , रजक समाज की अध्यक्ष एवं समाजसेवी सुमन रजक जी,का शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनी वर्मा द्वारा पुष्पहार एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर स्वागत

किया गया ।इस न्याय सम्मेलन में सभी अतिथि महिलाओं ने अपने विचार भी रखें , महिलाजिलाध्यक्ष रजनी वर्मा जी ने कहा कि महिलाओं को उनके हक और न्याय प्राप्त करने के लिये शिक्षित और जागरूक होना बहुत आवश्यक है

महिला थाना प्रभारी मंजू शर्मा जी ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को ना केवल निडर और साहसी बल्कि आत्मरक्षा के गुण भी सीखने चाहिए। समाजसेवी अंजू रेखा तिवारी जी ने कहा की हर महिला दूसरी महिला के साथ अगर कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहे तो निश्चित रूप से नारी उत्पीड़न में कमी आएगी ,आँगन बाड़ी समूह अध्यक्ष ममता रजक जी ने कहा कि कमजोर वर्ग और अशिक्षित महिलाओं को उनके हक और अधिकार का ज्ञान समय समय पर देकर हम उन्हें सशक्त कर सकते है जिसके अभाव में वो निरंतर समाज मे शोषित होती है, रजक समाज की अध्यक्ष सुमन रजक जी ने कहा कि हम महिलाए जिस दिन अपनी शक्ति और ताकत को पहचान लेंगे उस दिन कोई भी महिलाओं का शोषण नही कर पाएगा

तथा इस अवसर सभी महिलाओं ने सभी महिलाओ के हित और न्याय में हमेशा साथ देने और खड़े रहने का संकल्प लिया द्य इस अवसर पर महिला कांग्रेस की प्रदेश सह सचिव सुमन रजक उपाध्यक्ष अदिता वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष कल्पना पाठक, सीमा यादव,शशि यादव, रीता गुप्ता,साक्षी रजक, सीता शर्मा,माधुरी बागरी,सुनीता सोनी बी.शांता,सहितकई अन्य क्षेत्रों से जुड़ी महिलाएं उपस्थित थी । कार्यक्रम में महिला जिलाध्यक्ष ने बताया कि सामाजिक कार्यो में अग्रणी महिलाओं को महिला कांग्रेस द्वारा सम्मानित करने का निरंतर जारी रहेगा।कार्यक्रम का समापन एवम आभार महिला उपाध्यक्ष अदिता वर्मा द्वारा किया गया।

ASP अंजुलता पटले, DSP अंकिता सुल्या का हुआ तबादला

संतोष डेहरिया होगे शहडोल अति. पुलिस अधीक्षक

मोहमद मुनीर। सिटी चीफ शहडोल, लोकसभा चुनाव के ठीक पहले हुई प्रशासनिक सर्जरी का असर जिले में भी पड़ा है, सीधी पेशाब कांड के ठीक बाद में सुर्खियों में आई यह महिला एएसपी ने शहडोल में नशीली दवाएं इंजेक्शन की खेप और हालही में बड़े भू-माफिया पर हाथ डाल तो था लेकिन कुछ खास नहीं कर पाई, इस तेज-तर्रार महिला अफसर वाली ख्याति बटोर चुकी एएसपी अंजुलता पटले का तबादला सोमवार वल्लभ भवन जारी हुआ तो सूची में 3+19 अफसरों के लिए आदेश में हुआ है जिसमें बतौर उप सेनानी 6वी वाहिनी बिसवल जबलपुर कर दिया गया है वहीं शहडोल मे एएसपी के रूप में संतोष डेहरिया की पदस्थापना की गई है, वहीं इसी सूची में अंकिता सुल्या डीएसपी महिला का भी तबादला हो गया है उन्हें नवगठित जिला मऊगंज में एसडीओपी की कमान सौंपी गई है इनका शहडोल का शत-प्रतिशत कार्यकाल छुट्टियों में बीत गया शहडोल के नागरिक इनकी पदस्थापना से जिले की नारी शक्ति को कोई फायदा नहीं हुआ संभवत: मऊगंज में कुछ कर पाएगी कहा नहीं जा सकता।

खालिस्तान गैंगस्टर लिंक मामले में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की 4 राज्यों में छापेमारी

नेशनल डेस्क: नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने खालिस्तान गैंगस्टर लिंक मामले में चार राज्यों में छापेमारी की है। जांच एजेंसी ने पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में छापेमारी की है। इस छापेमारी में गैंगस्टर और आतंकियों के बीच नेक्सस की पड़ताल की जा रही है। जांच एजेंसी पंजाब के मोगा में अलग-अलग ठिकानों पर भी रेड कर रही है। हद्ध के साथ मोगा पुलिस भी मौजूद। मोगा के हलका निहाल सिंह वाला के गांव बिलासपुर में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसीकी

टीम जांच कर रही है। इन 4 राज्यों में मारा छापा इससे पहले सितंबर 2023 में भी नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने गैंगस्टर और खालिस्तानी गठजोड़ के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया था। जांच एजेंसी ने पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली हद्धक्र उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में करीब 51 ठिकानों पर छापेमारी की थी। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने आतंकवादियों, गैंगस्टरों और ड्रग्स डीलर्स के बीच सांठगांठ से जुड़े 3 केस में ये कार्रवाई की थी। पांच महीने पहले पड़ी थी रेड सितंबर में हुई छापेमारी के दौरान सबसे ज्यादा पंजाब में 30 जगहों पर खालिस्तान गैंगस्टर लिंक मामले में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसीकी 4 राज्यों में छापेमारी

फ्रांस पर साइबर हमला, कई सेवाएं प्रभावित

इंटरनेशनल डेस्क: फ्रांस में कई राज्य संस्थान साइबर हमलों से प्रभावित हुए हैं। प्रधानमंत्री गेब्रियल अटल के कार्यालय ने कहा कि कई राज्य संस्थानों को निशाना बनाया गया, लेकिन विवरण नहीं दिया गया। सरकार इस प्रभाव को नियंत्रित करने में सक्षम है। अटल के कार्यालय ने कहा, तकनीकी साधनों का उपयोग करके रविवार को कई मंत्रिस्तरीय सेवाओं को लक्षित किया गया। फ्रांस पर हमला करने वाला नवीनतम साइबर हमला पिछले हफ्ते ही अटल के रक्षा सलाहकार की चेतावनी के बाद हुआ है कि जुलाई में ओलंपिक खेल और जून में यूरोपीय संसद चुनाव महत्वपूर्ण लक्ष्य हो सकते हैं। एक सुरक्षा सूत्र ने एएफपी को बताया कि हमले के लिए फिलहाल रूस जिम्मेदार नहीं है, यूक्रेन पर हमले के बाद कीव के लिए पेरिस के समर्थन को देखते

हुए कई लोगों के लिए एक स्पष्ट संदेह था। प्रधानमंत्री के कर्मचारियों ने कहा कि प्रतिउपायों को तैनात करने के लिए एक संकट सेल सक्रिय किया गया है, जिसका अर्थ है कि अधिकांश सेवाओं के लिए इन हमलों के प्रभाव को कम कर दिया गया है और राज्य की वेबसाइटों तक पहुंच बहाल कर दी गई है। सूचना सुरक्षा एजेंसी, हस्स्द्ध सहित विशेष सेवाएं हमला खत्म होने तक फ़िल्टरिंग उपाय लागू कर रही थीं। कई हैकर समूहों ने टेलीग्राम, एक मैसेजिंग ऐप पर हमलों की जिम्मेदारी ली है जिसमें खुद को एनोनिमस सूडान कहने वाला समूह भी शामिल है, जिसने कहा कि उसने फ्रांसीसी सरकार के नेटवर्क बुनियादी ढांचे पर डिस्ट्रीब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस (डीडीओएस) हमला शुरू किया था।

पाकिस्तान में बारिश के कारण दिलीप कुमार का पैतृक आवास क्षतिग्रस्त

पेशावर: पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार का पैतृक आवास हाल में हुई बारिशों के चलते गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने के बाद लगभग ढहने के कगार पर है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मूसलाधार बारिश ने घर के पुनर्वास और नवीनीकरण के बारे में खैबर पख्तूनख्वा के पुरालेख विभाग के बड़े-बड़े दावों की पूरी तरह से पोल खोल दी है। दिलीप कुमार का जन्म 1922 में पेशावर शहर के ऐतिहासिक किस्सा ख्वानी बाजार के पीछे मुहल्ला खुदादाद में स्थित इस घर में हुआ था और 1932 में भारत जाने से पहले उन्होंने अपने शुरुआती 12 साल यहीं बिताए थे। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने 13 जुलाई 2014 को इस घर को पाकिस्तान का राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित किया था। कुमार एक बार अपने घर आए थे और उन्होंने भावुक होकर वहां की मिट्टी को चूम लिया था। खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की विरासत परिषद के सचिव शकील वहीदुल्ला खान ने कहा कि पेशावर में हाल में हुई बारिश ने कुमार के घर को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। वर्ष 1880 में बनी इस संपत्ति के बारे में उन्होंने कहा कि खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की पिछली सरकार ने काफी सारे अनुदान देने का वादा किया था, इसके बावजूद इस राष्ट्रीय विरासत की सुरक्षा व संरक्षण के लिए एक पैसा भी खर्च नहीं किया गया है। दुनिया भर से यहां आने वाले पर्यटक

ऐतिहासिक संपत्ति की जर्जर हालत देखकर निराश हो जाते हैं। पुरालेख विभाग द्वारा घर का अधिग्रहण करने से पहले इसकी देखभाल करने वाले मुहम्मद अली मीर ने कहा कि वह बहुत सावधानी से इसकी उचित तरीके देखभाल कर रहे थे। अली ने कहा कि पुरालेख विभाग द्वारा अधिग्रहण के बाद घर की हालत खराब होने लगी और इसके पुनर्वास व नवीनीकरण की प्रक्रिया बयानों तक सिमट कर रह गई। कुमार का मकान अब वीरान पड़ा हुआ है।अली ने कहा, कुमार के मन में पेशावर के लोगों के प्रति बहुत प्यार और सम्मान था और दुर्भाग्यवश, हमारा विभाग उनके घर को ढहने से बचाने के लिए कुछ नहीं कर सका। अभिनेता का 7 जुलाई, 2021 को 98 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया था। उन्होंने हमेशा पेशावर शहर को अपने दिल के करीब बताया और वह अपने बचपन की बातें याद करते थे। उन्हें 1997 में पाकिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'निशान-ए-इम्तियाज से सम्मानित किया गया था।

चीन को मोदी के अरुणाचल दौरे से लगी मिर्ची, भारत के समक्ष दर्ज कराया विरोध

बीजिंग: चीन ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले सप्ताह अरुणाचल प्रदेश का दौरा करने को लेकर उसने भारत के समक्ष राजनयिक विरोध दर्ज कराया है, और भारत के इस कदम से सीमा विवाद के ''केवल (और) जटिल होने की बात कही। चीन ने क्षेत्र पर फिर से अपना दावा जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश में 13,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित सेला सुरंग राष्ट्र को समर्पित की। यह सुरंग सामरिक महत्व रखने वाले तवांग तक हर मौसम में सड़क संपर्क मुहैया करेगी और इससे सीमांत क्षेत्र में सैनिकों की सुगमता से आवाजाही सुनिश्चित होने की भी उम्मीद है। असम के तेजपुर को अरुणाचल के पश्चिम कामेंग जिले से जोड़ने वाली सड़क पर यह सुरंग बनाई गई है। इसे इतनी ऊंचाई पर स्थित विश्व की सबसे लंबी दोहरी लेन वाली सड़क सुरंग बताया जा रहा है। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी)पर स्थित विभिन्न अग्रिम स्थानों तक सैनिकों एवं हथियार प्रणाली सेला सुरंग के जरिये सुगमता से पहुंचाई जा सकेगी। चीन, अरुणाचल के दक्षिण तिब्बत होने का दावा करता

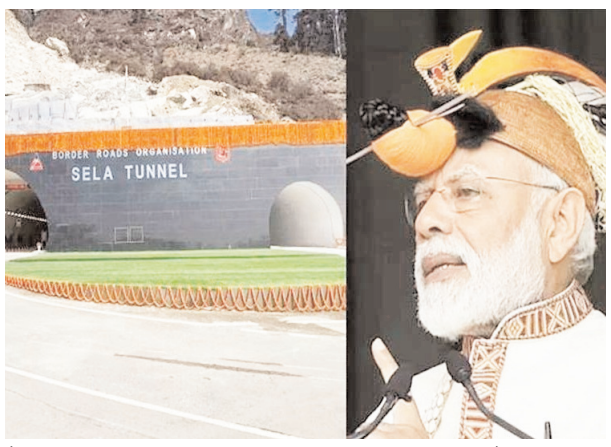

है। वह अपने इस दावे पर जोर देने के लिए, भारतीय नेताओं के राज्य का दौरा करने पर नियमित रूप से आपत्ति जताता रहा है। बीजिंग ने इलाके का नाम जैंगनान रखा है। वहीं, भारत ने अरुणाचल पर चीन के दावे को बार-बार खारिज करते हुए कहा है कि यह राज्य देश (भारत) का अभिन्न हिस्सा है। नयी दिल्ली ने इलाके का नामकरण करने के चीन के कदम को खारिज करते हुए कहा है कि यह सच्चाई को नहीं बदल सकता। मोदी के अरुणाचल दौरे के बारे में, सोमवार को यहां एक प्रेस वार्ता में आधिकारिक मीडिया द्वारा पूछे जाने पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा, ''जैंगनान इलाका चीन का भू-भाग है। उन्होंने कहा,''चीन ने भारत के तहत अरुणाचल प्रदेश को कभी मान्यता नहीं दी है और इसका पुरजोर विरोध किया है। उन्होंने कहा कि चीन-भारत सीमा विवाद का हल अब तक नहीं हुआ है। भारत के पास, चीन के जैंगनान के इलाके का मनमाना विकास करने का कोई अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, ''भारत के संबद्ध कदम सीमा विवाद को केवल (और) जटिल करेंगे। चीन, चीन-भारत सीमा के पूर्वी खंड का प्रधानमंत्री द्वारा किये गए दौरे का दृढ़ता से विरोध करता है। वांग ने कहा, ''हमने भारत के समक्ष राजनयिक विरोध दर्ज कराया है।

कोयला खदान में गैस विस्फोट, 7 लोगों की मौत

हेफ़ेई: चीन के अनहुई प्रांत में सोमवार को एक कोयला खदान में हुए गैस विस्फोट के बाद सात लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग फंसे गए। बचावकर्मियों ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि हादसा दोपहर करीब 12:10 बजे हुआ। हादसे के समय हुआइहे

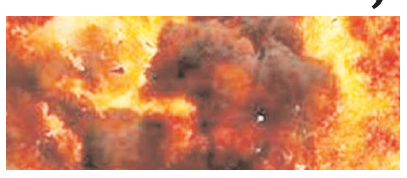

एनर्जी की ज़ीकियाओ कोयला खदान में 24 खनिक काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि 22 खनिक लौटने में कामयाब रहे, लेकिन गंभीर रूप से घायल आठ में से सात लोगों की मौत हो गई। शेष दो लापता मजदूरों तक पहुंचने के लिए बचाव अभियान अभी भी जारी है।

नेपाल में लगे भूकंप के तेज झटके रिक्टर स्केल पर 4.3 रही तीव्रता

***इंटरनेशनल डेस्क** = पश्चिमी नेपाल में सोमवार शाम भूकंप का झटका महसूस किया गया। इसकी तीव्रता 4.3 मापी गई। हालांकि, इसमें कोई क्षति होने या किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं है। काठमांडू में राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र के अनुसार, 4.3 तीव्रता का भूकंप शाम 4:56 बजे बाजुरा जिले में आया। इसके अनुसार इसका केंद्र जुडागा में था।*

5 पुरुष वक्ताओं ने की महिला समानता वाली संयुक्त राष्ट्र संस्था के सम्मेलन की शुरुआत, उठे सवाल

इंटरनेशनल डेस्क: महिला समानता के लिए काम करने वाली संरा संस्था के सम्मेलन की शुरुआत पांच पुरुष वक्ताओं के साथ संयुक्त राष्ट्र, 12 मार्च महिलाओं और लड़कियों के लिए समानता को बढ़ावा देने वाली संयुक्त राष्ट्र की एक इकाई के वार्षिक सम्मेलन की शुरुआत एक के बाद एक पांच पुरुष वक्ताओं के संबोधन के साथ हुई। महिलाओं के सम्मेलन में इस तरह की स्थिति पर सभागार में उपस्थित कुछ पुरुषों और सैकड़ों महिलाओं को असहज होते देखा गया और सवाल भी उठाए गए। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के प्रमुख और अंतिम पुरुष वक्ता एचिम स्टीनर ने मंच पर आकर कहा, ''मैं इस बात से पूरी तरह वाकिफ हूं कि मैं इस मंच से आपको संबोधित करने वाला एक और पुरुष वक्ता हूं। उन्होंने कहा कि उनके पास दो विकल्प थे, ''या तो बोलूं ही नहीं या मंच पर आ जाऊं और लैंगिक समानता का समर्थन करूं। संयुक्त राष्ट्र के लिए क्रोएशिया के राजदूत इवान सिमोनोविक इस मंच पर संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद का प्रतिनिधित्व करने वाले तीसरे पुरुष वक्ता थे। उन्होंने परिषद की महिला अध्यक्ष के निजी कारणों से कार्यक्रम

में नहीं आ पाने पर खेद प्रकट किया। समारोह को संबोधित करने वाली पहली महिला वक्ता चेतना गाला सिन्हा का नंबर छठे स्थान पर आया। चेतना के मंच पर पहुंचने पर उनका जोरदार तालियों के साथ स्वागत किया गया। चेतना ने तीन दशक पहले मुंबई से महाराष्ट्र के एक सूखा प्रभावित गांव में जाकर एक बैंक शुरू करने में स्थानीय महिलाओं की मदद की। उन्होंने कहा, ''हमारी महिलाएं सूक्ष्म ऋण से सूक्ष्म उद्यम तक पहुंचना चाहती हैं। महिलाओं के लिए निवेश करने के लिहाज से इससे बेहतर समय नहीं हो सकता।

चुनाव आयोग का दल जम्मू-कश्मीर दौरे पर, लोकसभा चुनावों का लेंगे जायजा

जम्मू-कश्मीर = जम्मू-कश्मीर में जल्द ही विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग का दल आज मंगलवार को श्रीनगर पहुंच रहा है। जानकारी के अनुसार दल द्वारा लोकसभा चुनावों की तैयारियों का जायजा लिया जाएगा। चुनाव आयोग प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा राजनीतिक दलों के नेताओं से भी भेंट करेगा। वहीं बुधवार को चुनाव आयोग जम्मू में चुनावों की तैयारियों के बारे में अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे। बुधवार को ही चुनाव आयोग जम्मू पहुंचेगा जहां जम्मू संभाग की जम्मू-रियासी, ऊधमपुर-डोडा-कठुआ और राजौरी-पुंछ-अनंतनाग लोकसभा सीट पर मतदान की तैयारियों को लेकर फीडबैक लिया जाएगा।

इससे पहले चुनाव आयोग जिला स्तर के अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर चुका है। उम्मीद जताई जा रही है कि चुनाव आयोग लोकसभा के साथ विधानसभा चुनावों की संभावना पर भी गौर करेगा। सूत्रों के अनुसार लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव करवाए जाने की संभावना है। जून में श्री अमरनाथ यात्रा शुरू होने और अगस्त में समापन के बाद विधानसभा चुनाव करवाने को सिर्फ एक माह का समय रह जाएगा। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हल्फनामा दिया है कि सितम्बर से पहले जम्मू-कश्मीर में चुनाव करवाए जाएंगे।

मामूली बढ़त के साथ खुले बाजार

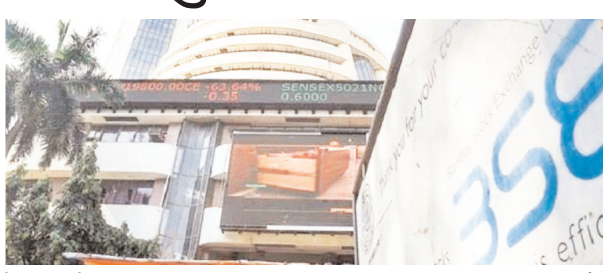

नेशनल डेस्क: शेयर बाजार आज फिर से सपाट खुला है। सेंसेक्स 121.36 अंक यानी 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ 73,624.00 पर और निफ्टी 29.85 अंक यानी 0.13 फीसदी की मजबूती के साथ 22350 के आसपास कारोबार कर रहा है। ग्लोबल संकेतों के बीच 12 मार्च को भारतीय इंडेक्स मामूली बढ़त के साथ खुले हैं। सेंसेक्स 42.52 अंक या 0.06 प्रतिशत ऊपर 73,545.16 पर और निफ्टी 6.90 अंक या 0.03 प्रतिशत ऊपर 22,339.60 पर दिख रहा है। लगभग 1267 शेयर बढ़े, 1053 शेयर गिरे और 133 शेयरों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है।

दिल्ली के गोकलपुरी मेट्रो स्टेशन के पास आधी रात चली 25 राउंड गोलियां

नेशनल डेस्क: राजधानी दिल्ली में बिते सोमवार की रात ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। उत्तर पूर्वी दिल्ली के अंबेडकर कॉलेज और गोकलपुरी मेट्रो स्टेशन के पास पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई जिसमें करीब 24 राउंड फायरिंग की गई। पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद कुख्यात हाशिम बाबा गिरोह के तीन बदमाश घायल हो गए और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं बदमाशों द्वारा चलाई गई गोली पुलिसकर्मियों को भी लगी हालांकि बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। गोलीबारी की इस भीषण घटना के बाद दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और

जांच की। डीसीपी ने बताया कि दो दिन पहले सीलमपुर में फायरिंग हुई थी जिसमें एक की मौत हो गई थी और दूसरा घायल हो गया था। दरअसल, वांटेड एक आरोपी को लेकर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने अंबेडकर कॉलेज के पास आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया और देखा कि एक स्कूटी पर तीन लोग आ रहे थे इतने में पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया लेकिन आरोपी नहीं रुके और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की जिसमें तीन आरोपियों को पैर में गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने मौके पर ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पकड़े गए तीन बदमाशों के नाम अली उर्फ फहद, आशिफ उर्फ खालिद, अल्सेजान उर्फ तोता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569